शर्मा शॉर्ड्अवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 92 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अतिक्रमण व घुसपैठ के खिलाफ हिमंत सरकार की मुहिम पेज 2

सेमीकंडक्टर से बुलेट ट्रेन तक, असम में बुनियादी ढांचे का तेजी से हो रहा... पेज 3

नई पीढ़ी अपनी जड़ों, भाषा और शास्त्रीय परंपराओं से जुड़े : निर्मला सीतारमण पेज 5

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा आन1पचारिक ट्रेस्ट ड्रा रहा पेज 7

मार्च 2027 में नगर निकाय और अप्रैल में जीएमसी के चुनाव होंगे : सीएम



गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में विभिन्न नगर निकायों के चुनाव मार्च 2027 में और गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के चुनाव अप्रैल 2027 में कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा की कोर कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बैठक में मुख्य रूप से राज्य के स्वायत्त परिषदों के चुनावों के साथ-साथ नगर निकायों और गुवाहाटी नगर निगम के चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। बिजली की दरों में हाल ही में की गई वृद्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) द्वारा प्रति यूनिट बिजली की दरों में की गई बढ़ोतरी अस्थायी है। यह वृद्धि लंबे समय तक जारी नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए दिसंबर महीने में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की उपस्थिति में होगा। कांग्रेस के मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी केवल मल्लिकार्जुन खड़गे के घर के बरामदे में ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश की लोकसभा में राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते और नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बने रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्तारूढ़ दल को आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने भाजपा के आंदोलन को सकारात्मक बताते हुए कहा कि यह आंदोलन शिक्षा और विकास के समर्थन में है। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में भाजपा के बढ़ते जनाधार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी अपने वैचारिक सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह और बहुविवाह की प्रथा को हर हाल में समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने संगठन का विस्तार करने के साथ-साथ अपनी विचारधारा पर भी कायम रहेगी। गुवाहाटी तक बुलेट ट्रेन शुरू करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम अब आसमान छूने के सपने देख रहा है और राज्य अब उड़ान भरना सीखेगा।

राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी अस्थायी : मुख्यमंत्री शर्मा



गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाया कि बिजली दरों में की गई अस्थायी बढ़ोतरी को वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) अपने नुकसान की भरपाई कर लेगी, यह बढ़ोतरी हटा दी जाएगी। उन्होंने उन चिंताओं को भी खारिज कर दिया कि यह बदलाव एक स्थायी बोझ बन जाएगा। वाजपेयी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए, शर्मा ने कहा कि असम इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (एईआरसी) की मंजूरी के बाद इस महीने से लागू हुई यह बढ़ोतरी केवल पांच महीने तक रहेगी। उन्होंने कहा कि जब हम नुकसान की भरपाई कर लेंगे, तो इसे वापस ले लिया जाएगा। जिस तरह से इसे एक बहुत बड़ी बढ़ोतरी के रूप में पेश किया जा रहा है, वैसा नहीं है। मैं कह रहा हूं कि यह पांच पैसे से ज्यादा नहीं होगी। इस बदलाव के पीछे का कारण बताते हुए, शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बिजली खरीदने की लागत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो हमें अधिक दरों पर बिजली खरीदनी पड़ती है। पश्चिम एशिया में उथल-पुथल के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। कल तक, यह 115 डॉलर प्रति बैरल थी। उन्होंने आगे कहा कि जब बिजली खरीदने की लागत बढ़ जाती है, तो बिजली मुफ्त में नहीं दी जा सकती। शर्मा ने जोर देकर कहा कि यह बदलाव एक अस्थायी कदम है, न कि कोई स्थायी वार्षिक टैरिफ बढ़ोतरी। यह टैरिफ समायोजन ऐसे समय में आया है जब एपीडीसीएल पर लगभग 156 करोड़ रुपए का फ्यूल एंड पावर परचेज प्राइस एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) बकाया है। इसमें अप्रैल से अगस्त 2026 तक के पांच महीनों के दौरान बिजली खरीद लागत में आए बदलावों से जुड़े बकाया शामिल हैं (इसमें सप्लीमेंट्री बिल शामिल नहीं हैं)। एपीडीसीएल ने एईआरसी से नवंबर 2026 से मार्च 2027 तक किस्तों में इस बकाया सरचार्ज की वसूली करने की -शेष पृष्ठ दो पर

होटल विलास इन के मुख्य आरोपी घनकांत को न्यायालय ने भेजा जेल



गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के होटल विलास इन में हुई फायरिंग और पांच लोगों की हत्या के मुख्य आरोपी घनकांत गोगोई को न्यायालय ने जेल भेज दिया है। आज कामरूप महानगर जिला के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत ने घनकांत को जेल भेजने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि घनकांत गोगोई की सात दिन की पुलिस हिरासत आज समाप्त हो गई थी। इसके बाद आरोपी घनकांत को अदालत में पेश किया गया। अदालत के आदेश के अनुसार आरोपी को जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि बीते 26 अक्तूबर, 2026 की रात लगभग 9 बजे होटल विलास इन में एक गोलीबारी की घटना हुई -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी के लिए बुलेट ट्रेन लिंक को मंजूरी मिल गई है लेकिन चिकन नेक क्रॉसिंग सबसे बड़ी बाधा : डॉ. शर्मा



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को प्रस्तावित बुलेट ट्रेन नेटवर्क में गुवाहाटी को शामिल करने की मंजूरी का स्वागत किया, लेकिन कहा कि इस परियोजना के लिए रणनीतिक रूप से संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (जिसे लोकप्रिय रूप से चिकन नेक के नाम से जाना जाता है) को पार करने के लिए विस्तृत योजना और विशेष तकनीक की आवश्यकता होगी। शर्मा ने कहा कि यह मंजूरी पूर्वोत्तर में हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। हालांकि, सर्वेक्षण, मार्ग निर्धारण और निर्माण विधियों सहित कई तकनीकी और रसद संबंधी पहलुओं को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। उन्होंने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को परियोजना के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया। पूर्वोत्तर को देश के शेष भाग से जोड़ने वाला यह संकरा मार्ग कुछ स्थानों पर लगभग -शेष पृष्ठ दो पर

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

मॉक संसद में राहुल पीएम बनें संसद में नरेंद्र मोदी ही होंगे : हिमंत



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती थीं और इसके लिए कई प्रयास भी किए गए। जब उनका कोई प्रयास सफल नहीं हुआ तो कांग्रेस नेताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास के लॉन में मॉक संसद का आयोजन किया गया और वहां राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया गया। शर्मा ने कहा कि हकीकत यह है कि मॉक संसद में राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे और संसद में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे। दिल्ली से गुवाहाटी तक बुलेट ट्रेन लाइन को मंजूरी मिलने पर सीएम हिमंत विश्व शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

एसआईआर पर विशेष सत्र के लिए तैयार शाह ने राहुल गांधी को दी बहस की चुनौती

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को फिर दिया चैलेंज



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने संसद का मजाक उड़ाते हुए हमेशा असंवैधानिक और समानांतर संसदों का समर्थन किया है। शाह ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार, संसद के विशेष सत्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए हर आरोप का जवाब देने के लिए तैयार है। शाह ने छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कांग्रेस पार्टी ने एक *नकली संसद* बनाकर और बहस का ढोंग रचकर असली संसद का मजाक उड़ाया है। राहुल गांधी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को एक वीडियो जारी कर एक बार फिर पीएम मोदी को चुनौती दी है। वीडियो में उन्होंने पीएम मोदी को बहस की चुनौती दी है। करीब 1 मिनट 50 सेकंड के इस वीडियो में राहुल कहते हैं कि मोदी जी, 24 घंटे बीत चुके हैं। मैंने आपको एक चुनौती दी है। आप कहते हैं कि विपक्ष में *देशद्रोही* हैं। कोई भी मंच चुन लीजिए, जगह आप तय करें और मुझसे बहस कीजिए। वीडियो में राहुल गांधी आगे कहते हैं कि असली देशद्रोही कौन है? विदेशी ताकतों से किसके संबंध हैं, और ये संबंध किस तरह के हैं? डरिए मत; आइए, जल्द से जल्द इस पर बात कर लेते हैं। वित्तीय व्यवस्था और ढांचे को लेकर सवाल उठाए जाएंगे, जैसे कि अमेरिकी समझौता कैसे हुआ, क्यों हुआ, इसे इतनी जल्दी क्यों लागू किया गया, आपने इसे अकेले क्यों संभाला, और कैबिनेट को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? राहुल गांधी कहा कि हम इस पर भी चर्चा करेंगे कि अडानी मामला क्यों बंद कर दिया गया, -शेष पृष्ठ दो पर

विरोध के नाम पर किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों, लोगों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने, पुलिस की बर्बरता, मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों की याचिकाओं पर आज मंगलवार को सुनवाई की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। अन्य प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य लोगों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुसरो के कल्याण से बढ कर, दुसरा और कोई नेक काम और धर्म नहीं होता।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

मेघालय में कोनराड सांग्मा सरकार से यूडीपी ने तोड़ा नाता



शिलांग। मेघालय में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) ने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से मंगलवार को समर्थन वापस ले लिया। यूडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। राज्य में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यूडीपी के पास केवल एक विधायक रह गया है। हालांकि, इस फैसले का मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यूडीपी के एकमात्र विधायक एवं पार्टी अध्यक्ष मेतबाह लिंगदोह ने 31 अक्तूबर को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। यूडीपी का यह फैसला उसके 12 में से 11 विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनपीपी में शामिल होने के कुछ सप्ताह बाद आया है। ये तीनों दल सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) का हिस्सा हैं। सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला यूडीपी की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में उस हालिया राजनीतिक घटनाक्रम की समीक्षा की गई, जिसके बाद 60 सदस्यीय विधानसभा में इस क्षेत्रीय दल के -शेष पृष्ठ दो पर

रिलायंस के अनिल अंबानी समूह की 510 करोड़ रुपए की अतिरिक्त संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस में अनिल अंबानी समूह के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में 510 करोड़ रुपए की अतिरिक्त संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें विमान, बैंक खातों में जमा राशि, सावधि जमा, अचल संपत्तियां, निवेश और बकाया भुगतान शामिल हैं। इस कार्रवाई के साथ समूह के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ढाका के अगरगांव मेट्रो रेल स्टेशन में बम विस्फोट

ढाका (हि.स.)। देश की राजधानी ढाका के अगरगांव मेट्रो रेल स्टेशन में बम विस्फोट होने खलबली मच गई। यह घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

जनता के हर पैसे का हिसाब होना चाहिए, पीएसी राजनीति से ऊपर उठकर काम करे : ओम बिरला



नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि जनता के हर पैसे का स्पष्ट हिसाब होना चाहिए और इसका इस्तेमाल पूरी तरह से अपने निर्धारित उद्देश्यों के लिए होना चाहिए। ओम बिरला ने तिरुवनंतपुरम में संसद और राज्य, केंद्रशासित प्रदेशों के विधानमंडलों की *लोक लेखा समितियों (पीएसी) के पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन* का उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने सार्वजनिक धन की निगरानी, संसदीय जवाबदेही और वित्तीय जांच में एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। यह कार्यक्रम *ऑडिट, जवाबदेही और सुशासन-पीएसी की बदलती भूमिका* विषय पर आधारित है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक धन की सुरक्षा के मामले में राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार किया जाना चाहिए। पीएसी अध्यक्ष के रूप में विपक्ष के सदस्य को नियुक्त करने की लोकतांत्रिक परंपरा का भारतीय संसदीय -शेष पृष्ठ दो पर

मधुबनी में एएसआई की फायरिंग में महिला समेत दो लोगों की मौत



पटना (हि.स.)। बिहार में मधुबनी जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के बलिराजगढ़ गांव में सोमवार देर रात एक घर में घुसे सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) ने पकड़े जाने के डर से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में एक महिला समेत दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने आरोपी एएसआई की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है। गोलीबारी में जान गंवाने वालों की पहचान अशोक यादव (45) और फूलो देवी (40) के रूप में हुई है। फूलो देवी के पेट में गोली लगी थी। प्राथमिक उपचार के -शेष पृष्ठ दो पर



CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

अतिक्रमण व घुसपैठ के खिलाफ हिमंत सरकार की मुहिम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन सरकार का दो मुद्दों पर शून्य सहिष्णुता की नीति स्पष्ट है- जिसमें सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं अवैध घुसपैठ। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार लगातार इन दो मुद्दों पर खुलकर कदम उठा रही है। जिसके चलते अवैध घुसपैठिए हों या फिर अवैध अतिक्रमण करने वाले लोग, सभी के बीच सरकार का डर साफ तौर पर देखा जा रहा है। बुलडोजर की धमक असम में अवैध कब्जेदारों के दिलों में खौफ पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मैंने कितनी बार बोला है कि असम की जमीन उसके लोगों के लिए है, घुसपैठियों के लिए नहीं। लेकिन कुछ लोग मेरी बात शायद समझना नहीं चाहते। उनके लिए पेश है-जेसीबी। इस वर्ष जनवरी से नवंबर माह के दौरान असम सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में प्रमुख रूप से धुबड़ी, नगांव, होजाई, गोलाघाट एवं शिवसागर जिलों के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गयी है, जिसके तहत हजारों बीघा भूमि खाली कराई गई और हजारों परिवारों को हटाया गया। वर्ष 2026 के जनवरी माह में भी होजाई जिले के आरक्षित वनों में एक शुरुआती चरण का अभियान चला गया था, जिसमें लगभग 1,098 परिवारों को बेदखल कर 700 हेक्टेयर भूमि खाली कराई गई थी। असम प्रशासन ने वर्ष 2026 में विशेष रूप से आरक्षित वन क्षेत्रों और सरकारी जमीनों को निशाना बनाया। 2026 के नवंबर माह के शुरुआती दिनों में ही धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर सर्कल के अंतर्गत आलमगंज (पार्ट-9) गांव में एक बहुत बड़ा अभियान चलाया गया। इसके अलावा जिले के तीन राजस्व गांवों (चारुआबाखरा, संतोषपुर और चिराकुटा पार्ट-1) में भी कार्रवाई की योजनाएं बनाई गई हैं। जहां आने वाले दिनों बेदखली अभियान चलाए जाने की प्रशासन ने योजना बनाई है। इसी तरह अक्तूबर 2026 के मध्य में नगांव जिलांतर्गत लुटुमारी लोंगजाप आरक्षित वन तथा बोरपानी वन संभाग में बड़ी कार्रवाई हुई। जहां पर बड़े पैमाने पर संरक्षित वन भूमि को अतिक्रमण करने वालों के कब्जे से मुक्त कराकर वहां से हटाया गया। सरकार खाली कराई गयी भूमि पर पेड़ लगाने की योजना बनाई है। इसी तरह होजाई जिला के जमुना-मउदंगा आरक्षित वन क्षेत्र (डबोका इलाका) में अतिक्रमण हटाया गया। जबकि, गोलाघाट जिला जिले के नेघेरीबिल, दोयांग और नामबोर दक्षिण आरक्षित वनों में बुलडोजर एक्शन हुआ। वहीं, शिवसागर जिला के नाजीरा के रंगाजान चाय बागान (संताक ग्रांट) इलाके में भी अक्तूबर महीने में में भूमि खाली कराई गई। वर्ष 2026 में अलग-अलग समय पर चलाए गए अभियानों में हजारों बीघा (सैकड़ों हेक्टेयर) भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के आधिकारिक बयान के अनुसार, अक्तूबर माह में गोलाघाट, होजाई और नगांव जिलों में चलाए गए संयुक्त अभियान में 638 हेक्टेयर (लगभग 4,700 बीघा से अधिक) आरक्षित वन भूमि को पूरी तरह मुक्त कराया गया।

कोकराझाड़ में बाघिन की मौजूदगी के चलते धारा 163 लागू

कोकराझाड़ (हिंस)। पश्चिम बंगाल से भटककर असम के कोकराझाड़ जिले के दोतमा राजस्व सर्किल अंतर्गत गेलेगुरी गांव के जंगल से सटे इलाके में पहुंची एक मादा रॉयल बंगाल टाइगर (बाघिन) की मौजूदगी के बाद जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। जिला दंडाधिकारी पंकज चक्रवर्ती ने जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू कर दी है। कचुगांव वन प्रमंडल के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) की रिपोर्ट के अनुसार, 2 नवंबर, 2026 से गेलेगुरी गांव के जंगल से सटे इलाके में बाघिन की गतिविधियां देखी जा रही हैं। बाघिन की मौजूदगी से आम लोगों और मवेशियों की सुरक्षा को संभावित खतरे तथा घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटने, अफवाह फैलने और वन विभाग के पकड़ने के अभियान में बाधा उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बाघिन को सुरक्षित पकड़ने के लिए वन विभाग, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की टीमें अभियान में जुटी हैं। प्रशासनिक आदेश के अनुसार, गेलेगुरी गांव को केंद्र मानकर पांच किलोमीटर के दायरे को निषेधाज्ञा एवं बफर जोन घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में गेलेगुरी, ईस्ट बोंगशीगांव, वेस्ट डांगरखुटी, नॉर्थ भालुकमारी, साउथ दक्षिण डांगरखुटी और घोरामारी गांव शामिल हैं। निषेधाज्ञा के तहत बाघिन को देखने या उसका पीछा करने के उद्देश्य से पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रभागीय वन अधिकारी, हल्टुगांव अथवा कछुगांव वन प्रमंडल की अनुमति के बिना पांच किलोमीटर के दायरे में जंगल और वन क्षेत्रों में आम लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है। इसके अलावा आग्नेयास्त्र, दाव (पारंपरिक धारदार हथियार), भाले, जाल, फंदे और जहर लेकर चलने, पटाखे फोड़ने, ढोल-नगाड़े बजाने, लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने तथा आग जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। बाघिन का पता लगाने के लिए फ्लैशलाइट का इस्तेमाल, निजी ड्रोन उड़ाने और वन विभाग के अभियान की बिना अनुमति वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी करना भी प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर बाघिन को आदमखोर बताने अथवा उसे गोली मार दिए जाने जैसी भ्रामक खबरें और अफवाहें फैलाने पर भी रोक लगाई है। हालांकि, इन प्रतिबंधों से असम वन विभाग की कैप्चर टीम, पशु चिकित्सा दल, एनटीसीए और डब्ल्यूआईआई के विशेषज्ञों, पुलिस, मजिस्ट्रेट, एसडीआरएफ, ड्यूटी पर तैनात वन सुरक्षा बल के जवानों तथा कानून-व्यवस्था एवं सूचना प्रसारण कार्यों में लगे सरकारी अधिकारियों को छूट दी गई है।

लैलापुर चेकिंग प्वाइंट पर 19,400 याबा टैबलेट जब्त, दो गिरफ्तार

कछार (हिंस)। असम के कछार जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस ने लैलापुर नाका चेकिंग प्वाइंट पर एक वाहन से 19,400 याबा टैबलेट जब्त किए। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कछार पुलिस अधीक्षक द्वारा आज दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, धोलाई थाना क्षेत्र के लैलापुर नाका चेकिंग प्वाइंट पर जांच के दौरान एएस-18एसी- 4435 नंबर की एक गाड़ी को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन में बनाए गए गुप्त चैंबर से 19,400 याबा टैबलेट बरामद हुए। इस मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों की पहचान मतासिन अली मीरा और अब्दुल अहद लस्कर के रूप में हुई है। मतासिन अली मीरा वाहन चला रहा था। दोनों कछार जिले के धोलाई थाना अंतर्गत राजगोबिंदपुर गांव के निवासी हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन मिजोरम से आ रहा था। पुलिस ने इस संबंध में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आगे और पीछे के नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है। उधर छिपाझार में पुलिस ने एक नाइट बस से नकली सोने की तस्करी के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान जेस्मिना खातून के रूप में हुई है। पुलिस ने महिला के कब्जे से नकली सोने के पांच कलश बरामद किए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला नाइट बस से यात्रा कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बस में तलाशी अभियान चलाया और उसके पास से पांच नकली सोने के कलश जब्त किए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नकली सोने के कलश कहां से लाए गए थे और क्या इस तस्करी के पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है।

असम मेडिकल कॉलेज के स्थापना दिवस पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) के स्थापना दिवस पर चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, विद्यार्थियों और राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी कर कहा कि वर्ष 1947 में स्थापित पूर्वोत्तर के पहले मेडिकल कॉलेज ने दशकों से असम की स्वास्थ्य सेवाओं को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस ऐतिहासिक संस्थान ने मरीजों की सेवा के साथ-साथ हजारों कुशल चिकित्सकों को तैयार किया है और देश के चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इस गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए असम आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। जिला स्तर पर नए मेडिकल कॉलेजों का विस्तार, एम्स गुवाहाटी जैसे राष्ट्रीय संस्थानों की स्थापना, विश्वस्तरीय कैंसर उपचार केंद्रों का विकास और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

हत्या की आरोपी दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरिगांव जिले के जागीरोड पुलिस ने ई-रिक्शा चालक की हत्या के मामले में दो महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जागीरोड थाना क्षेत्र के धुनुषा गांव के मितनि देवनाथ की हत्या करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें दो महिला शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगांव सलसली के गुल मोहम्मद उर्फ मामूद और नगांव जिले के कातीमारी की आसमां खातून और जमीला खातून के रूप में की गई है। पुलिस पहले से दर्ज हत्या मामले में तीनों को गिरफ्तार किया है।

पानी की टंकी में बंदर का शव, 50 से अधिक छात्र बीमार

गुवाहाटी (हिंस)। असम इंजीनियरिंग कॉलेज के एक छात्रावास में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। छात्रावास की पानी की टंकी में एक मरा हुआ बंदर मिलने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि छात्र पिछले एक सप्ताह से इसी टंकी का पानी पी रहे थे। जानकारी के अनुसार, कॉलेज के छात्रावास नंबर एक की पानी की टंकी में बंदर का शव मिला। इस छात्रावास में रहने वाले चार दर्जन से अधिक छात्र बीमार पड़ गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि दूषित पानी पीने के कारण छात्रों की तबीयत बिगड़ी है। घटना के सामने आने के बाद छात्रावास में पानी की स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बीमार छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति और कॉलेज प्रशासन की ओर से उठाए गए कदमों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

राष्ट्र सेविका समिति की गौरवशाली 90 वर्षों की यात्रा

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्र सेविका समिति की गौरवशाली 90 वर्षों की यात्रा के मद्देनजर लगातार कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। असम में भी विभिन्न प्रकार के आयोजन हो रहे हैं। आयोजनों के जरिए राष्ट्र निर्माण एवं नारी सशक्तिकरण की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। गुवाहाटी महानगर राष्ट्र सेविका समिति के एक पदाधिकारी ने आज बताया कि बीते रविवार को गुवाहाटी महानगर राष्ट्र सेविका समिति द्वारा केदार रोड स्थित बॉटनिकल गार्डन में समिति की गौरवशाली 90 वर्षों की यात्रा के उपलक्ष्य में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक जागरण एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में समिति के योगदान को स्मरण करते हुए उसकी उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ज्योत्सना दास सैकिया, प्राचार्य, पीसीपीएच गर्ल्स पॉलिटेक्निक, उपस्थित रहीं, जबकि राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर ने मुख्य वक्ता के रूप में सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलमय अस्त्र पूजन के साथ हुआ। यह पारंपरिक अनुष्ठान शक्ति, साहस, अनुशासन एवं धर्मनिष्ठा की भावना का आह्वान करता है। अपने संबोधन में सुनीता हल्देकर ने संगठन के दर्शन, ऐतिहासिक यात्रा तथा राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति का कार्य मूलत: राष्ट्र निर्माण अर्थात एक सशक्त, एकजुट एवं सांस्कृतिक चेतना से संपन्न राष्ट्र का निर्माण करना है। अमर भारतवर्ष की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय एकता, सामूहिक प्रतिबद्धता एवं साझा उद्देश्य के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने *सर्वे भवन्तु सुखिन:* (सभी सुखी एवं समृद्ध हों) की भावना को मार्गदर्शक सिद्धांत बताया। उन्होंने भारत की समृद्ध सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार मुगल एवं ब्रिटिश काल सहित विभिन्न आक्रमणों और विदेशी शासन के बावजूद हिंदू संस्कृति एवं परंपराएं अक्षुण्ण बनी रहीं। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानंद जैसे महान आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय विभूतियों के योगदान का उल्लेख किया। विशेष रूप से स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी संदेश तथा समाज एवं राष्ट्र के उत्थान हेतु उनके चार मार्गदर्शक मंत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पंच परिवर्तन की महत्ता तथा भारत के उत्तर से दक्षिण तक भारत भक्ति एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। संगठन की ऐतिहासिक विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के आदर्शों एवं संगठनात्मक स्वरूप से प्रेरित होकर राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना वर्ष 1936 में महाराष्ट्र के वर्धा में लक्ष्मीबाई केलकर के दूरदर्शी नेतृत्व में हुई थी।

दाओहारु मुंख्लोंग ट्रॉफी के तहत नशामुक्ति और सड़क सुरक्षा को लेकर निकाली गई जागरूकता रैली

कोकराझाड़(हिंस)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा में नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। 28वीं दाओहारु मुंख्लोंग ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता के अवसर पर दाओहारु मुंख्लोंग ट्रॉफी आयोजन समिति की पहल पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, खेल प्रेमियों तथा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने तथा युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने की अपील की। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। रैली के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में बिजली दरों ...

अनुमति मांगी थी। कंपनी की यह याचिका वित्तीय वर्ष 2026-27 से संबंधित है। हालांकि, प्रस्तावित टैरिफ बदलाव अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणियों के लिए अलग-अलग हैं। *जीवनधारा* और घरेलू श्रेणी के उन उपभोक्ताओं के लिए, जिनका स्वीकृत लोड 30 किलो वाट से कम है, बिजली की दरों में 0.05 रुपए प्रति यूनिट की बढ़ोतरी होगी। अन्य लो-टेंशन श्रेणियों में प्रति यूनिट लगभग 0.30 रुपए की बढ़ोतरी होगी, जबकि 20 किलो वाट से अधिक लोड वाले हाई-टेंशन उपभोक्ताओं को भी प्रति यूनिट 0.30 रुपए की बढ़ोतरी का सामना करना पड़ेगा। शर्मा ने फिर दोहराया कि एपीडीसीएल द्वारा अपना नुकसान भरपाई कर लेने के बाद इस बढ़ोतरी को वापस ले लिया जाएगा; उन्होंने ऐसा बिजली की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को लेकर लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए कहा।

होटल विलास इन के ...

थी। उक्त गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात लगभग 10 बजे आरोपी घनकांत को गिरफ्तार कर लिया था। घनकांत द्वारा की गयी गोलीबारी में भूदेव भराली (65), हेलेना भराली (58), देवर्षि कश्यप (39), रिनिकी कश्यप (30) और नारायण दास (48) की मौत हो गई। इसमें भूदेव भराली और नारायण दास का घर बरपेटा में है। वहीं, हेलेना भराली, देवर्षि कश्यप और रिनिका कश्यप फिलहाल गुवाहाटी के नवीन नगर के निवासी थे, हालांकि, वे भी मूल रूप से बरपेटा के ही रहने वाले थे। गोलीबारी में घायल हुए सत्येंद्र पाठक (43) बरपेटा के रहने वाले हैं। उनका फिलहाल गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) में इलाज चल रहा है।

गुवाहाटी के लिए बुलेट ...

22 किलोमीटर चौड़ा है और कुछ हिस्सों में केवल 16 किलोमीटर है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर से पहले से ही एक राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे लाइन गुजर रही है, इसलिए अधिकारियों को यह जांच करनी होगी कि बुलेट ट्रेन की पटरी भूमिगत बनाई जा सकती है या जमीन के ऊपर। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बुलेट ट्रेनें मौजूदा रेलवे ट्रैक पर नहीं चल सकतीं और इसके लिए एक पूरी तरह से अलग रेलवे कॉरिडोर की आवश्यकता होगी। कॉरिडोर को पार करने के लिए अपनाई जाने वाली तकनीक और विधि के आधार पर निर्माण लागत में भी काफी वृद्धि हो सकती है, संभावित रूप से दो से तीन गुना तक। शर्मा ने कहा कि प्रस्ताव को शुरू में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ उनकी चर्चा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके अनुरोध के बाद, अंतत: गुवाहाटी तक प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी के विस्तार को मंजूरी मिल गई। उन्होंने कहा कि तकनीकी आवश्यकताओं और प्रस्तावित संरेखण को समझने के लिए वे दिल्ली की अपनी अगली यात्रा के दौरान वैष्णव के साथ आगे की चर्चा करेंगे। इस फैसले को असम और पूर्वोत्तर के लिए एक महत्वपूर्ण विकास बताते हुए, शर्मा ने प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री को श्रेय दिया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मंजूरी तो सिर्फ पहला कदम है। परियोजना को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत सर्वेक्षण, प्रौद्योगिकी चयन, मार्ग नियोजन और कार्यान्वयन रणनीति पर काम करना होगा।

मॉक संसद में राहुल ...

ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को मंजूरी मिल गई है, हालांकि इसे आगे बढ़ाने के लिए अभी कई प्रक्रियाएं पूरी करनी बाकी हैं। शर्मा ने कहा कि सबसे अच्छी खबर यह है कि गुवाहाटी अब बुलेट ट्रेन के नक्शे पर आ गया है। इस परियोजना के लिए *चिकन नेक* यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर से होकर मार्ग तय किए जाने को उन्होंने काफी अहम बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि वो दिल्ली जाकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद परियोजना से जुड़ी और जानकारी सामने आएगी। उन्होंने इसे बेहद उल्लेखनीय, साहसिक और दूरदर्शी फैसला बताया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की वजह से ही असम को इस परियोजना की मंजूरी मिली है। उनके मुताबिक, यह फैसला राज्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एसआईआर पर विशेष...

सरकार हर एक मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। हम चर्चा करने के लिए एक विशेष सत्र बुलाने को भी तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांधी संसद को काम करने से रोक रहे हैं। उन्होंने कहा आपने संसद को ठप कर दिया है। एक तरह से आपने इसे बंधक बना लिया है। अब, संसद को काम करने दें और उचित बहस होने दें। तब देश की जनता खुद देख लेगी कि कौन सच बोल रहा है और कौन नहीं। पार्टी ने आगे कहा कि कांग्रेस और विपक्ष लोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता हासिल करने के बजाय एक अराजक मॉडल पर काम कर रहे हैं, जिसमें सत्ता परिवर्तन और तख्तापलट शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक टेलीविजन स्टिंग ऑपरेशन से देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शन भड़काने की कोशिशों का खुलासा हुआ है। अमित शाह ने आगे कहा कि जो लंबे लेख लिखकर सलाह देते थे, उनका हिम्मत नहीं थी कि वे यहां आकर रहें। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से नक्सलवाद का समर्थन किया। 2010 में पी चिदंबरम ने कहा था कि नक्सलियों को हथियार रखने की जरूरत नहीं है, आप उत्पात नहीं करिए गोली नहीं चलाएंगे। मैंने संसद में कहा था जिन्हें सरेंडर करना है। आइए हम उन्हें मेनस्ट्रीम में लाएंगे, वरना हमारे जवान उनसे दो दो हाथ करेंगे। जो कानून तोड़ता है उसे नागरिकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल सीधा करने का काम करेगी, चाहे वह नॉर्थ ईस्ट हो, बस्तर हो या कश्मीर। उनका अलग मंत्रालय होता था।

विरोध के नाम पर किसी...

सुनवाई के दौरान आई, जब उस जगह से *विरोध प्रदर्शन स्थल* का दर्जा हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट में व्यापारिक संगठनों ने याचिका दायर की, जिसमें बताया कि विरोध प्रदर्शनों की वजह से उनका काफी नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने व्यापारियों के संगठनों से कहा है कि वे *एंटी-सीईसी* विरोध प्रदर्शन के आयोजकों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाएं। विरोध प्रदर्शन के चलते व्यापारियों की स्थिति बताते हुए उनके वकील ने कोर्ट से कहा कि विरोध स्थल के आस-पास के इलाकों में 50 लाख लोग रहते हैं। सभी दुकानें बंद हैं और आज सीपी (कनॉट प्लेस) में कोई नहीं है। सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जो कोई भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे अपने कार्यों के नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

मेघालय में कोनराड सांग्मा ...

पास केवल एक विधायक रह गया है। बैठक में लिंगदोह, पार्टी महासचिव टी. चाइन और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। चाइन ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय कार्यकारी समिति ने हमारे एकमात्र विधायक द्वारा गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लिए जाने की सिफारिश की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को एक पत्र भेजा जाएगा। यूडीपी के आठ विधायक सितंबर में भाजपा में शामिल हो गए थे, जबकि तीन अन्य विधायकों ने पिछले महीने एनपीपी का दामन थाम लिया था। विधानसभा अध्यक्ष ने बाद में दोनों विलयों को मान्यता दे दी, जिससे विधानसभा में यूडीपी के विधायकों की संख्या 12 से घटकर एक रह गई। यूडीपी 2018 में एमडीए के गठन के समय से ही गठबंधन का हिस्सा रही है। पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनाव में छह सीट जीती थीं और 2023 में अपनी सीट की संख्या बढ़ाकर 12 कर ली थी। इसके साथ ही वह राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। मौजूदा संकट की शुरुआत सितंबर 2025 में मंत्रिमंडल में फेरबदल से हुई थी। उस समय पार्टी अध्यक्ष मेतबाह लिंगदोह ने मुख्यमंत्री से यूडीपी के दो वरिष्ठ नेताओं पॉल लिंगदोह और किरमेन शायला को मंत्रिमंडल से हटाने की सिफारिश की थी। इस कदम से यूडीपी के कुछ नेताओं में नाराजगी पैदा हो गई। यह असंतोष बढ़ता गया और अंतत: किरमेन समेत पार्टी के आठ विधायक भाजपा में शामिल हो गए। बाद में पॉल लिंगदोह और दो अन्य विधायक मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली एनपीपी में शामिल हो गए। पॉल लिंगदोह ने सोमवार को मंत्री पद की शपथ ली। अब 60 सदस्यीय विधानसभा में एनपीपी के 36 और भाजपा के 10 विधायक हैं।

रिलायंस के अनिल अंबानी ...

तहत जांच किए जा रहे विभिन्न मामलों में अब तक करीब 23,100 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क या जब्त की जा चुकी हैं। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के बैंक धोखाधड़ी मामले में 247.12 करोड़ रुपए और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामलों में 263.05 करोड़ रुपए की संपत्तियों से संबंधित है। आरकॉम मामले में दो चार्टर्ड विमान, छह भूखंड और महाराष्ट्र स्थित एक कार्यालय परिसर कुर्क किया गया है। वहीं, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामलों में तमिलनाडु की दो पवन चक्कियां, बैंक खातों में जमा राशि, सावधि जमा और निवेश तथा बकाया भुगतान से जुड़ी संपत्तियां कुर्क की गई हैं। ईडी ने दिल्ली में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा और मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच शुरू की थी। एजेंसी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत भी दो मामलों की जांच की है। जांच के दायरे में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, रिलायंस पावर लिमिटेड और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड शामिल हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्राप्त सार्वजनिक धन का कथित तौर पर दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल किया। समूह पर दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों का कथित दुरुपयोग कर कंपनी की संपत्तियों को निजी इस्तेमाल के लिए सुरक्षित करने और भारत से सार्वजनिक धन को विदेशों में स्थित कर बचाव वाले ठिकानों तक पहुंचाने के आरोप हैं। ईडी का कहना है कि इस धन का बड़ा हिस्सा प्रवर्तकों और उनके परिवार के व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया। ईडी ने इन मामलों में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है और धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत छह अभियोजन शिकायतें दाखिल की हैं। इसके अलावा विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत भी एक शिकायत दाखिल की गई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

जनता के हर पैसे का ...

लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। समिति का उद्देश्य किसी सरकार की आलोचना करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग या लीकेज न हो और कार्यपालिका जनता के प्रति जवाबदेह रहे। सरकारी खर्च का आकलन सिर्फ आंकड़ों और *उपयोगिता प्रमाण पत्र* तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सदस्यों को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की गुणवत्ता और सामाजिक कल्याण योजना के वास्तविक असर को जांचने के लिए प्रोजेक्ट साइट का दौरा भी करना चाहिए। बदलते दौर में निगरानी के तरीकों को आधुनिक बनाने पर जोर देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि खर्च के बड़े डेटा का विश्लेषण करने, वित्तीय गड़बड़ियों को पहचानने और ऑडिट की निगरानी के लिए एआई, डेटा एनालिटिक्स और आधुनिक तकनीक का लाभ उठाया जाना चाहिए। संसद की पीएसी के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने संसदीय जांच को परिणाम-केंद्रित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि संसद के हर सत्र में कम से कम एक पीएसी रिपोर्ट और उस पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई पर अनिवार्य रूप से चर्चा होनी चाहिए। वेणुगोपाल ने बड़ी बुनियादी परियोजनाओं और फ्लैगशिप कल्याणकारी कार्यक्रमों के समयबद्ध ऑडिट पर भी जोर दिया। इस दौरान पीएसी कॉन्फ्रेंस की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन, केरल विधानसभा के अध्यक्ष थिरुवंचूर राधाकृष्णन और विधानसभा की पीएसी के अध्यक्ष केएन बालगोपाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मधुबनी में एएसआई की...

बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं, अशोक यादव को सीने और जांघ में गोली लगी थी। इसके अलावा विजेंद्र यादव (45) के गले और धनिकलाल यादव के पैर में गोली लगी है। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) योगेंद्र कुमार गांव पहुंचे। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे पुलिस को बलिराजगढ़ गांव में गोलीबारी की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी एएसआई पुलिस पिकेट में तैनात था और उसका गांव की एक महिला से कथित अवैध संबंध था। इसी वजह से उसका गांव में आना-जाना था। एसपी के मुताबिक, सोमवार देर रात भी आरोपी गांव पहुंचा था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उसे देख लिया और घर के अंदर बंद कर दिया। खुद को लोगों से घिरा देखकर आरोपी ने कमरे के अंदर से तीन से चार राउंड फायरिंग कर दी। गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने

सेमीकंडक्टर से बुलेट ट्रेन तक, असम में बुनियादी ढांचे का तेजी से हो रहा विकास : प्रदेश भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में पिछले पांच वर्षों के दौरान अभूतपूर्व विकास हुआ है। राज्य में बुनियादी ढांचे के तेजी से निर्माण के जरिए समग्र विकास को गति दी जा रही है। भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट धर्मकांत गोगोई ने मंगलवार को यह दावा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन परियोजना असम के परिवहन इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। केंद्र सरकार ने नॉर्दर्न बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का विस्तार गुवाहाटी तक करने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के अनुरोध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्तावित परियोजना के पूरा होने पर दिल्ली से गुवाहाटी की यात्रा आठ घंटे से भी कम समय में पूरी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि यह हाईस्पीड रेल कॉरिडोर आगरा, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी होते हुए गुवाहाटी को दिल्ली से जोड़ेगा। इसके अलावा, पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस गुवाहाटी और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच परिचालित हो रही है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लिए रेल बजट में 11,486 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। गोगोई ने कहा कि राज्य में गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना, काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर, ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे प्रस्तावित सुरंग मार्ग, नुमालीगढ़ बायो-एथेनॉल परियोजना और गुवाहाटी-सिलचर हाईस्पीड कॉरिडोर सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को 3,000 करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ नए उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष भूमि बैंक तैयार किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में चाय बागान क्षेत्रों में 75 आदर्श विद्यालय और 21 आदर्श आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, 14 नए पॉलिटेक्निक संस्थान स्थापित करने और 55 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के आधुनिकीकरण का कार्य किया गया है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में पूरी पारदर्शिता के साथ 1.64 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। सरकार ने अगले चरण में दो लाख अतिरिक्त नौकरियां देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उच्च शिक्षा में छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए निजुत मोइना योजना संचालित की जा रही है। वहीं, पीएम-पोषण योजना के तहत 37.47 लाख बच्चों को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की पहल के तहत नए चिकित्सा महाविद्यालयों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 4,000 स्वास्थ्य उपकेंद्रों को उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से युक्त करने की योजना पर काम किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए सरकार ने 50,000 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी योजना भी तैयार की है। शहरी विकास के संबंध में उन्होंने बताया कि 102 शहरों के मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं, जबकि 74 शहरों में जीआईएस आधारित आधुनिक मानचित्रण व्यवस्था लागू की गई है। शहरी पेयजल परियोजनाओं, ठोस कचरा प्रबंधन और शहरों के सौंदर्यीकरण पर 4,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वायत्तशासी परिषद क्षेत्रों में भूमि अधिकार सुनिश्चित करने के साथ-साथ चाय बागान श्रमिकों को भी भूमि पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं। गोगोई ने विश्वास जताया कि भाजपा आगामी समय में भी विकास के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी और राज्य में विकास की मौजूदा प्रक्रिया जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में भाजपा असम की कोर कमेटी की बैठक आयोजित



गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य कोर कमेटी की बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में गुवाहाटी स्थित पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित की गई। भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के अलावा प्रदेश संगठन महामंत्री रवींद्र राजू, नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी मंगल पांडे, सह-प्रभारी एस फांगनोन कोन्याक और मनोज टिम्बा तथा पूर्वोत्तर के सह-समन्वयक राजीव बब्बर उपस्थित थे। बैठक में पार्टी की वर्तमान संगठनात्मक स्थिति, विभिन्न स्तरों पर संचालित कार्यक्रमों की प्रगति, संगठनात्मक समन्वय और आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से बूथ और जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आम जनता के साथ सीधा संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में हाल ही में संपन्न नगांव लोकसभा उपचुनाव और सिलचर नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत की भी समीक्षा की गई। चुनावी परिणामों से जुड़े संगठनात्मक पहलुओं का विश्लेषण करते हुए जनता का विश्वास बनाए रखने और पार्टी के जनाधार को और मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस बीच, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, युवाओं के बीच संगठन की गतिविधियों का विस्तार करने तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में नई पीढ़ी की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। युवाओं की आकांक्षाओं को संगठनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने और पार्टी नेतृत्व तथा युवा समाज के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। दूसरी ओर, भाजपा असम प्रदेश अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हबेन सिंह बे की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में राज्य के कैबिनेट मंत्री डॉ. रनोज पेगू, बिश्वजीत दैमारी तथा प्रदेश भाजपा की सह-प्रभारी एवं सांसद एस फांगनोन कोन्याक शामिल हुए। कार्यशाला में देश के स्वतंत्रता संग्राम में भगवान बिरसा मुंडा के ऐतिहासिक योगदान और औपनिवेशिक शोषण के खिलाफ उनके संघर्ष को याद किया गया। जनजातीय समाज की भूमि, अधिकार, पहचान और सांस्कृतिक विशिष्टता की रक्षा में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। इसके अलावा जनजातीय गौरव दिवस के महत्व, जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास एवं विरासत के संरक्षण, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण पर चर्चा हुई।

आधुनिक मशीनों की मदद से कचरा ट्रांसफर सेंटर का आदाबाड़ी में निर्माण

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के कचरा प्रबंधन को और अधिक आधुनिक, सुसंगत और प्रभावी बनाने के लिए आदाबाड़ी में अत्याधुनिक रिफ्यूज ट्रांसफर स्टेशन सह मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी का निर्माण किया गया है। गुवाहाटी महानगर निगम (जीएमसी) की पहल पर लगभग 18.72 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस परियोजना के काम की जिम्मेदारी मेसर्स रशा इंफ्रास्ट्रक्चर के पास है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मार्गदर्शन और गुवाहाटी महानगर निगम की पहल पर मंगलवार को आधिकारिक रूप से इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी हेमंत चौधरी, गुवाहाटी महानगर निगम के मेयर मृगेन शरनिया, उपमेयर स्मिता राय और संबंधित क्षेत्र के पार्षद उपस्थित थे।

मिसिंग स्वायत्तशासी परिषद के 40 निर्वाचन क्षेत्रों में 30 नवंबर को मतदान, चुनाव कार्यक्रम घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य निर्वाचन आयोग ने मिसिंग स्वायत्तशासी परिषद (एमएसी) के वर्ष 2026 के आम चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके तहत परिषद के सभी 40 निर्वाचन क्षेत्रों में आगामी 30 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। आयोग की ओर से मंगलवार को जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 3 नवंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। उम्मीदवार 10 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 12 नवंबर को होगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 16 नवंबर निर्धारित की गई है। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 30 नवंबर को सुबह 7.30 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। आवश्यकता पड़ने पर 1 दिसंबर को पुनर्मतदान कराया जाएगा। मतगणना 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया 5 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। आयोग ने बताया कि सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर कार्यालय के कार्य दिवसों में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। इस चुनाव में कुल 6,35,493 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 3,17,297 पुरुष, 3,18,194 महिला और दो अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए कुल 1,032 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। परिषद के 40 निर्वाचन क्षेत्रों में से 28 अनुसूचित जनजाति के लिए, सात महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, जबकि पांच निर्वाचन क्षेत्र अनारक्षित रखे गए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम शामिल करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अधिकतम चुनावी खर्च की सीमा दो लाख रुपए निर्धारित की गई है।

सोनोवाल कछारी स्वायत्तशासी परिषद की 32 सीटों के लिए 30 नवंबर को मतदान

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य निर्वाचन आयोग ने सोनोवाल कछारी स्वायत्तशासी परिषद (एसकेएसी) के वर्ष 2026 के आम चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके तहत परिषद के सभी 32 निर्वाचन क्षेत्रों में 30 नवंबर को मतदान होगा। आयोग द्वारा मंगलवार को जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 3 नवंबर को चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर निर्धारित की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 12 नवंबर को होगी। उम्मीदवार 16 नवंबर तक अपने नामांकन वापस ले सकेंगे। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदान 30 नवंबर को सुबह 7.30 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। आवश्यकता पड़ने पर एक दिसंबर को पुनर्मतदान कराया जाएगा। मतगणना तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से शुरू होगी और प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया पांच दिसंबर तक संपन्न कर ली जाएगी। नामांकन पत्र सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर सभी कार्य दिवसों में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। पुनर्मतदान की स्थिति में भी मतदान का समय यही रहेगा। परिषद चुनाव में कुल 1,63,966 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 79,295 पुरुष, 84,667 महिला और अन्य श्रेणी के चार मतदाता शामिल हैं। परिषद के सभी 32 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 337 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। असम राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रत्येक उम्मीदवार के लिए चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा दो लाख रुपए निर्धारित की है।

नई एमएमसीएच इमारत में 997 बिस्तरों के साथ शुरू होंगी उन्नत चिकित्सा सेवाएं, मिलावटी पनीर पर सख्त कार्रवाई करेगा असम



गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) की विभिन्न चिकित्सा सेवाओं को महेंद्र मोहन चौधरी अस्पताल (एमएमसीएच) की नवनिर्मित इमारत में स्थानांतरित करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नई इमारत में कुल 997 बिस्तरों के साथ उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने नकली पनीर और मानकविहीन दुग्ध उत्पादों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने मंगलवार को दिसपुर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आम जनता को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। मंत्री ने बताया कि एमएमसीएच की नई इमारत को मरीजों के उपचार के लिए तैयार कर लिया गया है। इसमें कुल 997 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। इनमें 112 क्रिटिकल केयर बेड, छह विशेष निगरानी बेड, 30 बिस्तरों वाला डायलिसिस केंद्र और भुगतान के आधार पर उपलब्ध 52 प्रीमियम कमरे शामिल हैं। इसके अलावा आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए अलग व्यवस्था की गई है तथा विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा विभागों के लिए आधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। सिंघल ने कहा कि जीएमसीएच के विभिन्न विभागों की सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से नई एमएमसीएच इमारत में स्थानांतरित किया जाएगा। इस दौरान मरीजों के उपचार में किसी तरह की बाधा नहीं आए, इसके लिए विशेष योजना तैयार की गई है। विशेष रूप से आपातकालीन और गंभीर मरीजों की चिकित्सा सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के बाद ही आपातकालीन सेवाओं को स्थानांतरित किया जाएगा। इन सेवाओं का स्थानांतरण अंतिम चरण में उचित योजना और निगरानी के तहत किया जाएगा।

मिशन फ्लड-फ्री गुवाहाटी की तैयारियों की मंत्री कौशिक राय ने की समीक्षा



गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने मंगलवार को वर्ष 2027 के मानसून से पहले मिशन फ्लड-फ्री गुवाहाटी की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन करने के साथ ही नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता सखी ऐप भी लांच किया। असम सचिवालय में मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गुवाहाटी में बार-बार होने वाली जलभराव की समस्या, मौजूदा कमियों और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। विभिन्न विभागों और एजेंसियों की तैयारियों तथा वर्ष 2027 के मानसून से पहले प्रस्तावित कार्ययोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में नालों की नियमित सफाई और गाद निकालने के लिए सालभर लागू रहने वाली मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। गुवाहाटी के सभी नालों को तीन प्राथमिकता श्रेणियों में बांटकर उनकी सफाई और गाद निकालने का निर्धारित कार्यक्रम तैयार किया गया है। मंत्री ने संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय, जवाबदेही और नियमित निगरानी सुनिश्चित करते हुए मानसून से पहले सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

असम के राज्यपाल ने विद्यार्थियों से सतत विकास का दूत बनने का किया आह्वान



गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को लोक भवन में स्प्रिंग डेल इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सतत विकास का दूत बनने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने उनके उत्साह, जिज्ञासा और आकांक्षाओं की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा समर्पण और निरंतर प्रयास के साथ उन्हें हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वतंत्र चिंतन, आत्मविश्वास और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। राज्यपाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल मंचों का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने अनुशासन, ईमानदारी, विनम्रता, माता-पिता और शिक्षकों के प्रति सम्मान तथा सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से खेलकूद, योग और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा हानिकारक आदतों से दूर रहने की अपील की। साथ ही जल संरक्षण, पौधरोपण और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को विकसित भारत युवा नेता संवाद, युवा एआई फॉर ऑल, इंस्पायर-मानक और इसरो की युविका जैसी पहलों का लाभ उठाकर अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव अरिंदम बरुवा ने राज्यपाल की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राज्यपाल के ओएसडी डॉ. श्याम नारायण, लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

सदिया में तूफान का कहर, पेड़ गिरने से गोदाम कर्मचारी की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पूर्वी हिस्से में स्थित सदिया में मंगलवार को आए भीषण तूफान ने भारी तबाही मचाई। इस दौरान एक विशाल पेड़ आलू के गोदाम पर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से वहां कार्यरत एक कर्मचारी की मौत हो गई। आज पुलिस द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कर्मचारी गोदाम के अंदर मौजूद था, तभी तेज हवाओं के कारण एक विशाल पेड़ गोदाम की इमारत पर गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तूफान के कारण क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कई बड़े पेड़ उखड़कर गिर गए। कई पेड़ बिजली की तारों पर गिरने से बिजली की लाइनें टूट गईं और विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। तेज हवाओं के कारण कई मकानों और आवासीय संरचनाओं को भी काफी नुकसान पहुंचा है। सदिया के चपाखोवा इलाके में कई उखड़े हुए पेड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर गए, जिससे सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई और वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई।

एसएसबी के 31वें बटालियन का 21 दिवसीय इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



कोकराझाड़ (विभास)। नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत 31वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गोसाईंगांव द्वारा आयोजित 21 दिवसीय इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षण कोर्स का समापन समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाहिनी के कमांडेंटअमित सिंह ने की। यह प्रशिक्षण 07.10.2026 को प्रारंभ हुआ था, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों के 25 युवाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विद्युत कार्यों से संबंधित तकनीकी ज्ञान, सुरक्षा मानकों, वायरिंग, घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं व्यावहारिक कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर कमांडेंट श्री अमित सिंह ने प्रशिक्षित युवाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा उन्हें कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सीमावर्ती युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सूर्य षष्ठी महोत्सव समिति के सफल आयोजन हेतु नई कार्यकारिणी गठित



ह्येजाई (निसं)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा व विश्वास के महापर्व सूर्य षष्ठी को धूमधाम से मनाने हेतु, रविवार सांय के समय शिवबाड़ी रोड स्थित आदर्श पुस्तकालय के सभागार में आनंद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने महापर्व सूर्य षष्ठी के आयोजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया और अपने-अपने विचार रखे। तत्पश्चात महापर्व के सफल आयोजन हेतु अनिल कुमार गुप्ता को अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया तथा एक शक्तिशाली कार्यकारिणी का गठन किया गया. इस नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में अंकुर कुमार, सचिव के रूप में रंजीत शाह, सह-सचिव के रूप में कुमार कृति व राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष के रूप में विरेन्द्र कुमार, लेखा-परीक्षक के रूप में राजेश कुमार, सांस्कृतिक सचिव के रूप में सुजल कुमार और सह-सांस्कृतिक सचिव के रूप में सोनू कुमार को रखा गया हैं। वहीं, कार्यकारिणी में विनोद कुमार गुप्ता, अमीत गुप्ता, संजय गुप्ता (टींकू), सुनील गुप्ता, चंदन गुप्ता, विकास कुमार गुप्ता, नवीन कुमार गुप्ता, राज कुमार ठाकुर व विश्वजीत सिंह को स्थान दिया गया हैं।

रंगिया में भूमि दस्तावेजों की धोखाधड़ी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार



रंगिया (विभास)। रंगिया में जमीन के दस्तावेज तैयार करने के नाम पर चलाए जा रहे एक बड़े धोखाधड़ी रैकेट और सिंडिकेट के खिलाफ अभियान चलाकर रंगिया पुलिस ने एक सनसनीखेज सफलता हासिल की है। सरकारी मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारियों, चक्र अधिकारियों (सर्किल ऑफिसर) तथा विभिन्न विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की फर्जी मोहरों का उपयोग करके जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले इस कुख्यात रैकेट के सरगना समेत कुल छह लोग अब पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। इस घटना ने पूरे रंगिया सहजिले में भारी सनसनी पैदा कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस ने सबसे पहले कुख्यात भूमि दलाल आईदुल इस्लाम (आईदुल अली) को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार दलाल के ठिकाने की तलाशी लेकर पुलिस ने न केवल फर्जी दस्तावेज, बल्कि बेहद हैरान करने वाले 169 फर्जी मुहरें (सील) भी जब्त कीं। इन मुहरों में दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और राजस्व चक्र अधिकारियों की फर्जी मुहरें भी शामिल हैं, जो इस धोखाधड़ी रैकेट की भयावहता को स्पष्ट करती हैं। दूसरी ओर, मुख्य आरोपी आईदुल इस्लाम से गहन पूछताछ और उसकी स्वीकारोक्ति के आधार पर रंगिया पुलिस ने हाल ही में एक विशेष अभियान चलाया। सोमवार रात पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान में धोखाधड़ी कांड से सीधे तौर पर जुड़े अन्य पांच लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के नाम क्रमश: यासिन अली, अमजेद अली, रियाजुल अली, मेराजुल अली और हबीब अली हैं। भूमि दलालों और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले इस बड़े सिंडिकेट के साथ इलाके के किसी अन्य प्रभावशाली व्यक्ति या बड़े रैकेट का सीधा संबंध है या नहीं, इस संबंध में वर्तमान में रंगिया पुलिस बहुत सावधानी से अपनी जांच जारी रखे हुए है। सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी कर आम जनता को ठगने वाले इस गिरोह की जड़ों को उखाड़ने के लिए पुलिस का अभियान और पूछताछ अभी भी जारी है।

आईएएसएसटी ने अपना 48वां स्थापना दिवस भव्यता के साथ मनाया



गुवाहाटी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उन्नत अध्ययन संस्थान गुवाहाटी ने 3 नवंबर 2026 को अपना 48वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस समारोह में संस्थान के संकाय सदस्य, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थी, विशिष्ट अतिथि तथा प्रख्यात वैज्ञानिक शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा, उपलब्धियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में उसके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन का पारंपरिक समारोह आयोजित किया गया। आईएएसएसटी के निदेशक प्रो. आशीष कुमार मुखर्जी ने विशिष्ट अतिथियों, आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रख्यात वक्ताओं का हार्दिक स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान की प्रगति एवं विकास में निरंतर सहयोग और समर्पण के लिए आईएएसएसटी परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी। साथ ही, संस्थान के दृष्टिकोण और मिशन को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों की सराहना की। उद्घाटन सत्र में दो प्रख्यात वैज्ञानिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू के प्रो.राघवन वरदराजन तथा भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बेंगलुरू की निदेशक प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम शामिल थीं। स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत दोनों वैज्ञानिकों ने क्रमश: नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. डोरोथी क्राउफुट हॉजकिन तथा भारत के प्रख्यात भौतिक विज्ञानी डॉ. सीवी रमन के सम्मान में आयोजित दो लोकप्रिय व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के गणमान्य व्यक्तियों और आमंत्रित अतिथियों ने भी भाग लिया। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण आईएएसएसटी और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का समारोह था। यह दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. बिभूति भूषण काकोटी ने प्रतिनिधित्व किया।

संपादकीय

क्या संसद 'अवैध' है?

राजधानी दिल्ली के 'रामलीला मैदान' में विपक्ष के 21 दलों की साझा 'वोट चोरी' रैली सफल रही अथवा नहीं रही, हम इस पचड़े में फंसना नहीं चाहते, लेकिन देश भर में एक संदेश देने में विपक्ष जरूर सफल रहा है। यह संदेश है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ 'देशद्रोह' का केस चलाया जाएगा और उन्हें जेल में भेजा जाएगा। यह तभी संभव होगा, जब ज्ञानेश अपने संवैधानिक पद से इस्तीफा दे दें अथवा संसद में उनके खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पारित हो जाए। फिलहाल दोनों ही स्थितियां संभव नहीं लगतीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिश में संलिप्त रहे हैं। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केंद्र में विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन की सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कार्रवाई पर फैसला दे चुकी होगी! फिलहाल इसके भी आसार नहीं हैं, बेशक विपक्ष कितनी भी हुंकारें भरता रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ये कथन सवालिया और गलत हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव 'अवैध' था। मतदाता सूचियों से 13.5 करोड़ नाम काट दिए गए। करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हर 7 में से 1 मतदाता का नाम हटा दिया गया, जबकि जीत-हार का अंतर मात्र 3 फीसदी था। राहुल गांधी ने यह गलत बोला है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 19-20 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 99 सांसदों और अकेली भाजपा के 240 सांसदों की संख्या के बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि 2024 का संसदीय चुनाव 'अवैध' था, तो सिर्फ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा सांसदों के ही चुनाव 'अवैध' नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदों के निर्वाचन भी 'अवैध' हैं। लोकसभा के समूचे 543 सांसदों के चुनाव भी 'अवैध' हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देश में 'अवैध संसद' काम कर सकती है? क्या नेता प्रतिपक्ष का यह कथन देश के मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधान का मजाक नहीं उड़ा रहा है? दरअसल यह खास किस्म की उत्तेजना, तैश, आवेश और कुंठा में बोला गया कथन है। चुनाव आयोग ने 28 अक्तूबर, 2025 को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहार से शुरू किया था, तो मई-जून, 2024 के लोकसभा चुनाव में किसने और कैसे 'वोट चोरी' की? एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरल में भी किया गया है, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। यदि उनमें से 2 लाख मतदाता भी विपक्ष की रैली के साथ जुड़ते, तो एक असामान्य भीड़ सडक़ों पर बिछ सकती थी! किसी भी सरकार के लिए वह स्थिति चुनौतीपूर्ण होती, लेकिन ऐसी चुनौती देश के किसी भी कोने से दिखाई नहीं दी है।

> नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा है कि हम प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिश में संलिप्त रहे हैं। उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केंद्र में विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन की सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कार्रवाई पर फैसला दे चुकी होगी! फिलहाल इसके भी आसार नहीं हैं, बेशक विपक्ष कितनी भी हुंकारें भरता रहे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ये कथन सवालिया और गलत हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव 'अवैध' था। मतदाता सूचियों से 13.5 करोड़ नाम काट दिए गए। करीब 15 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हर 7 में से 1 मतदाता का नाम हटा दिया गया, जबकि जीत-हार का अंतर मात्र 3 फीसदी था। राहुल गांधी ने यह गलत बोला है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 19-20 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला था। कांग्रेस के 99 सांसदों और अकेली भाजपा के 240 सांसदों की संख्या के बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि 2024 का संसदीय चुनाव 'अवैध' था, तो सिर्फ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा सांसदों के ही चुनाव 'अवैध' नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदों के निर्वाचन भी 'अवैध' हैं। लोकसभा के समूचे 543 सांसदों के चुनाव भी 'अवैध' हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देश में 'अवैध संसद' काम कर सकती है? क्या नेता प्रतिपक्ष का यह कथन देश के मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधान का मजाक नहीं उड़ा रहा है? दरअसल यह खास किस्म की उत्तेजना, तैश, आवेश और कुंठा में बोला गया कथन है। चुनाव आयोग ने 28 अक्तूबर, 2025 को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहार से शुरू किया था, तो मई-जून, 2024 के लोकसभा चुनाव में किसने और कैसे 'वोट चोरी' की? एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरल में भी किया गया है, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। गौरतलब यह है कि जनवरी, 2024 में सहकारी सचिव के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद ज्ञानेश कुमार गुप्ता को 15 मार्च को, सुखबीर सिंह संधु के साथ, चुनाव आयुक्त के संवैधानिक पद पर नियुक्त किया गया था। तब राजीव कुमार सीईसी थे। यदि तीनों चुनाव आयुक्तों के बीच सहमति न हो, तो कोई भी निर्णय लागू नहीं किया जा सकता। यही हालिया संकट और विवाद है। 'वोट चोरी' तो बेहद गंभीर और साजिशाना हरकत है। बहरहाल विपक्ष की लगातार राजनीतिक मुहिम के बावजूद 'वोट चोरी' एक राष्ट्रीय मुद्दा, आम आदमी के सरोकार का मुद्दा नहीं बन पाया है। जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उनमें करीब 2.88 करोड़ नाम ऐसे हैं, जो 'दिवंगत' हो चुके हैं और 1 करोड़ से अधिक लोगों के पास दोहरे मतदाता पहचान पत्र हैं। यह अवैध और असंवैधानिक है। राजधानी दिल्ली में ही 47 लाख से अधिक के नाम 'अनिश्चित' हैं। यदि वे आंदोलित होते, तो दिल्ली की सडक़ें अवरुद्ध हो जातीं। हिंसा भी भडक़ सकती थी!

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

> दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही।



लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है। वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता। लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा। यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उससे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है।

देश | दुनीया से

स्कूलों को सुरक्षित बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी



विद्यालय को बच्चे का दूसरा घर कहा जाता है। माता-पिता जिस विश्वास के साथ अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं, उसकी बुनियाद इस भरोसे पर होती है कि वहां उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब विद्यालय परिसर में ही किसी बच्चे की जान पर बन आए, तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था, संस्थागत जवाबदेही और सामाजिक चेतना की परीक्षा बन जाती है। पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित विद्यालय में बीते दिन हुई घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र ने केजी में पढ़ने वाली छह वर्षीय बच्ची पर कथित रूप से ईंट और अन्य वस्तुओं से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष द्वारा किए गए विद्यालय परिसर के निरीक्षण में कई प्रश्न सामने आए। इन प्रश्नों के उत्तर निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आने चाहिए। वहीं, शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षकों और प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया है तथा जांच समिति गठित की गई है। पुलिस ने भी कथित लापरवाही के संबंध में मामला दर्ज किया है। इस घटना में पीड़ित बच्ची के साथ-साथ कथित रूप से हमला करने वाला आठ वर्षीय छात्र भी कानून की दृष्टि में बच्चा है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 20 सात वर्ष से कम आयु के बच्चे के आपराधिक कृत्य को संवेदनशील ढंग से देखती है, जबकि धारा 21 के अनुसार, सात से बारह वर्ष के बच्चे के मामले में यह देखना आवश्यक है कि उसे अपने कृत्य की प्रकृति और परिणाम समझने की पर्याप्त परिपक्वता थी या नहीं। किशोर न्याय अधिनियम, 2015 का मूल उद्देश्य दंड के बजाय सुधार और पुनर्वास है। अतः बच्चे का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पारिवारिक वातावरण की पड़ताल और उचित परामर्श आवश्यक हैं। यदि उसके व्यवहार को लेकर पहले शिकायतें थीं, तो यह भी जांचना होगा कि समय रहते उसे सहायता क्यों नहीं मिली। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17 शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाती है, जबकि धारा 24 शिक्षकों के कर्तव्यों को निर्धारित करती है। प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी है कि विद्यालय में प्रभावी निगरानी, ड्यूटी रोस्टर, अनुशासन और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था हो। शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में असामान्य बदलाव और संभावित जोखिम के संकेतों को पहचानना भी है। बच्चे का व्यक्तित्व केवल विद्यालय में नहीं बनता। परिवार उसकी पहली पाठशाला है। इस घटना के संदर्भ में बच्चे के ऑनलाइन गेम खेलने और उससे प्रभावित होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, किसी गेम को घटना का प्रत्यक्ष कारण मान लेना उचित नहीं होगा। इसके लिए विशेषज्ञों द्वारा मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन आवश्यक है। फिर भी यह पहलू हमें बच्चों के डिजिटल जीवन और स्क्रीन पर उपलब्ध सामग्री के प्रभाव पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर करता है। दूसरी ओर, शहरों में बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित मैदान और खुले स्थान लगातार कम होते जा रहे हैं। खेल के मैदानों की कमी बच्चों को घरों के भीतर और मोबाइल स्क्रीन तक सीमित कर रही है। खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, हार-जीत स्वीकार करने और गुस्से पर नियंत्रण रखने की शिक्षा भी देते हैं। सरकार, नगर निकायों, आरडब्ल्यूए और विद्यालयों को बच्चों के लिए सुरक्षित खेल मैदान और रचनात्मक गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। माता-पिता को भी बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए तथा उन्हें आउटडोर खेल, पुस्तकें, संगीत और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। मीडिया ने इस घटना के माध्यम से विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। लेकिन सीसीटीवी फुटेज का बार-बार प्रसारण और सोशल मीडिया पर उसे वायरल करना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और निजता के लिए नुकसानदेह है। किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 किसी बच्चे की पहचान उजागर करने वाले विवरण और तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाती है। यह संरक्षण पीड़ित और कानून के उल्लंघन के आरोप का सामना कर रहे, दोनों बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है। इस घटना से सबक लेने की भी आवश्यकता है। राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों का नियमित बाल-सुरक्षा ऑडिट हो। प्रारंभिक कक्षाओं में पर्याप्त सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर अथवा विशेषज्ञों से परामर्श की व्यवस्था हो। सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी हो। बच्चों में आक्रामक व्यवहार, तनाव और हिंसक प्रवृत्तियों के शुरुआती संकेतों की पहचान कर समय रहते सहायता दी जाए। प्रत्येक स्कूल में दुर्घटना और हिंसा की स्थिति में चिकित्सा सहायता, अभिभावकों को सूचना तथा शिकायत निवारण का लिखित प्रोटोकॉल अनिवार्य रूप से लागू हो। यह घटना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की परीक्षा है। जब एक बच्चा हिंसा का शिकार हो और दूसरा बच्चा हिंसक व्यवहार करे तो उत्तर केवल दंड या आक्रोश नहीं, बल्कि जवाबदेही, संवेदना और सुधार होना चाहिए।

आप का | नजरीया

चिट्टे के खिलाफ खेल

खेल राज्य की तहजीब में, हिमाचल ने अपनी तस्वीर बदलते हुए खुद को परिलक्षित किया है। चिट्टा मुक्त हिमाचल के लिए अब खेलों को टूल बनाया जाएगा, तो यह अभियान हर घर, हर बस्ती, हर गांव और हर शहर से ताल्लुक बनाएगा। खेलो इंडिया के राज्य स्तरीय अवतरण में खेलो हिमाचल एक आश्वासन है और जीवन के पथ पर युवाओं को चलाने का साधन भी। बीस नवंबर को खेलो हिमाचल अभियान की शुरुआत से एक नया कारवां गांव से शहर तक शुरू होगा, तो इस कार्यक्रम की समीक्षा में कुछ नाम होगा। खेलो हिमाचल के जरिए हिमाचल अपने लिए नए मुकाम खोज रहा है जहां ओलंपिक खेलों के अलावा ग्रामीण व क्रिकेट जैसी खेलों के जरिए संदेश तैयार है। उपमंडल, जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कारों की खेप अगर उतर रही है, तो मुकाबलों की तासीर में प्रतिभाओं का मिशन भी सुदृढ़ होगा। राज्य स्तर पर विजेता टीम को 21 लाख, उपविजेता को 15 लाख और तीसरे स्थान पर 10 लाख की राशि का प्रावधान हो रहा है। बेशक पिछले कुछ सालों से खेलों पर राज्य सरकारों ने विशेष रुचि दिखाई है, लेकिन सुक्खू सरकार ने खेलो हिमाचल का श्रीगणेश करके खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है। हिमाचल में स्कूली खेलों के अलावा ग्रामीण खेलों को बढ़ावा मिलता है, तो निचले स्तर तक यह संदेश प्रभावशाली होगा। वर्तमान में भी कई खेल संगठन सक्रिय व आयोजन हो रहे हैं, लेकिन इन्हें किसी अभियान के बजाय रूटीन में किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण की दृष्टि से स्कूली स्तर पर खेल छात्रावास तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के हॉस्टलों के कारण चमक आ रही है और यही वजह है कि प्रदेश ने इस बार कुल 419 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाडिय़ों को सम्मानित करते हुए 17.85 करोड़ की नकद पुरस्कार राशि बांटी है। हिमाचल सरकार ने नादौन में इसी दौरान प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर तैयार किया है और कुछ अन्य स्थानों पर कार्य जारी है। बावजूद इसके खेल संगठनों के स्तर पर सक्रियता के साथ-साथ वचनबद्धता की जरूरत है। खेलो हिमाचल का ध्वज हर गांव और हर स्कूल तक फहराना होगा ताकि गांव की गलियां व्यस्त रहें। यहां मुकाबला चिट्टे के खिलाफ हो रहा है, तो विभागीय खेलों को भी नियमित तथा प्रभावशाली होना पड़ेगा। यह इसलिए भी कि चिट्टे या नशे के नेटवर्क में कर्मचारियों के घर भी उजड़े हैं। पुलिस विभाग के ही कई कर्मचारी इस जाल में अपनी प्रतिष्ठा व भूमिका गंवा चुके हैं। खेलो हिमाचल के कई चरण और कई पड़ाव देखे जाएंगे, इसलिए युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के भीतर भी कई ढांचागत सुधार आवश्यक हैं। सार्वजनिक तौर पर प्रदेश भर में कुछ नए खेल सेंटर विकसित करने की जरूरत के साथ-साथ खेल मैदानों के विकास की दिशा में लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। हर सरकारी स्कूल के साथ कम से कम एक बहुउद्देश्यीय मैदान तो अनिवार्य रूप से जुडऩा चाहिए। शहरों की विकास योजनाओं में मैदान विकास की परिकल्पना न के बराबर है। राजधानी शिमला कभी सैकड़ों की संख्या में सार्वजनिक मैदानों की कमी महसूस नहीं करता था, लेकिन अब दो लाख की आबादी के लिए कम से कम दो दर्जन नए मैदान चाहिएं। यह परिस्थिति हमीरपुर में भी दिखाई देती है। ऐसे में सरकार को हर बड़े शहर की चारों दिशाओं में चार-चार नए सामुदायिक, सार्वजनिक व खेल मैदान विकसित करने होंगे। विडंबना यह है कि पारंपरिक मैदानों पर या तो कब्जे हो गए या सरकारी इमारतों ने इनकी छाती छलनी कर दी। कई मैदानों पर वाहनों की पार्किंग का अड्डा ये मैदान बन गए हैं। बहरहाल शिमला में राज्यस्तरीय हिमरत्न कार्यक्रम के दौरान ताजगी के साथ हवा का एक झोंका जरूर महसूस हुआ है।

> चिट्टा मुक्त हिमाचल के लिए अब खेलों को टूल बनाया जाएगा, तो यह अभियान हर घर, हर बस्ती, हर गांव और हर शहर से ताल्लुक बनाएगा। खेलो इंडिया के राज्य स्तरीय अवतरण में खेलो हिमाचल एक आश्वासन है और जीवन के पथ पर युवाओं को चलाने का साधन भी। बीस नवंबर को खेलो हिमाचल अभियान की शुरुआत से एक नया कारवां गांव से शहर तक शुरू होगा, तो इस कार्यक्रम की समीक्षा में कुछ नाम होगा। खेलो हिमाचल के जरिए हिमाचल अपने लिए नए मुकाम खोज रहा है जहां ओलंपिक खेलों के अलावा ग्रामीण व क्रिकेट जैसी खेलों के जरिए संदेश तैयार है। उपमंडल, जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कारों की खेप अगर उतर रही है, तो मुकाबलों की तासीर में प्रतिभाओं का मिशन भी सुदृढ़ होगा। राज्य स्तर पर विजेता टीम को 21 लाख, उपविजेता को 15 लाख और तीसरे स्थान पर 10 लाख की राशि का प्रावधान हो रहा है। बेशक पिछले कुछ सालों से खेलों पर राज्य सरकारों ने विशेष रुचि दिखाई है, लेकिन सुक्खू सरकार ने खेलो हिमाचल का श्रीगणेश करके खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है। हिमाचल में स्कूली खेलों के अलावा ग्रामीण खेलों को बढ़ावा मिलता है, तो निचले स्तर तक यह संदेश प्रभावशाली होगा। वर्तमान में भी कई खेल संगठन सक्रिय व आयोजन हो रहे हैं, लेकिन इन्हें किसी अभियान के बजाय रूटीन में किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण की दृष्टि से स्कूली स्तर पर खेल छात्रावास तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के हॉस्टलों के कारण चमक आ रही है और यही वजह है कि प्रदेश ने इस बार कुल 419 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाडिय़ों को सम्मानित करते हुए 17.85 करोड़ की नकद पुरस्कार राशि बांटी है। हिमाचल सरकार ने नादौन में इसी दौरान प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर तैयार किया है और कुछ अन्य स्थानों पर कार्य जारी है। बावजूद इसके खेल संगठनों के स्तर पर सक्रियता के साथ-साथ वचनबद्धता की जरूरत है।

कुछ | अलग

दरार का इतिहास

इतिहा ने अपनी डायरी में लिखा, 'दीवार का जन्म निर्माण से होता है। उसकी परिपक्वता पहली दरार से। और समय...वह चुपचाप मुस्कराता रहा। उसे मालूम था 'जहां मनुष्य स्थायित्व देखता है, वहीं से परिवर्तन अपना पहला हस्ताक्षर करता है।' समय आगे बढ़ता रहा। मनुष्य ने यह स्वीकार करने के स्थान पर कि दरारें जीवन का स्वभाव हैं, उन्हें अपनी पराजय मान लिया। अब वह केवल दीवारें नहीं बनाता था, उन्हें निर्दोष बनाए रखने का प्रण भी करता था। जहां कहीं कोई महीन रेखा उभरती, वह उसे मिटाने में जुट जाता। गारा लगाया जाता। प्लास्टर चढ़ता। रंग फेर दिया जाता। और कुछ समय के लिए सब कुछ फिर से नया दिखाई देने लगता। किन्तु समय को रंगों से कभी भ्रम नहीं हुआ। वह जानता था कि जो छिपाया गया है, वह मिटाया नहीं जा सकता। प्रकृति भी मौन रही। उसने कभी दरार को जोर देकर नहीं बढ़ाया। वह केवल प्रतीक्षा करती रही।

दृष्टि | कोण

करों में छूट, नहीं है समाधान

पिछले काफी समय से भारत के शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक भारत में बिकवाली कर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर ले जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के प्रथम 7 महीने से भी कम समय में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 1.7 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे रुपए पर दबाव बन रहा है और उसमें अवमूल्यन हो रहा था। नीति निर्माता चिंतित हैं और तरह-तरह से प्रयास कर उन्हें भारत की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार पर उन्हें पहले से अधिक रियायतें देने संबंधी दबाव भी बन रहा है।

रियायतों का अंबार : यह तर्क दिया जा रहा था कि विदेशी संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका करों में रियायत देने से संबंधित है। 5 जून 2026 को सरकार और रिजर्व बैंक ने स्वीकृत बांडों से होने वाले पूंजीगत लाभ को पूर्व के 12.5 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर और आयकर से छूट दी गई है। इसके अलावा पूर्व में जहां 15, 30 और 40 वर्ष के ब्रांड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब उन्हें इसकी अनुमति दी गई है। इसी प्रकार अन्य प्रकार की रियायतें भी विदेशी संस्थागत निवेशकों को दी गई हैं। लेकिन उसके बावजूद इन निवेशकों की बिकवाली बदस्तूर जारी है। लेकिन यह जरूर हुआ है कि अब विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सरकारी बांडों में निवेश बढ़ा दिया है। अब क्या मांग है विदेशी संस्थागत निवेशकों की? हालांकि सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की सरकारी ऋण प्रतिभूतियों पर आयकर और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभों से छूट पहले ही दे दी है, अब उनकी मांग है कि उन्हें शेयरों पर मिलने वाले पूंजीगत लाभों और अन्य लाभों पर कर से छूट मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि यह छूट उनको पहले भी प्राप्त थी। दूसरे, विदेशी निवेशक सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी कमी चाहते हैं। गौरतलब है कि इस साल बजट में सरकार ने 'फ्यूचर और ऑप्शन' (एफएंडओ)

नई पीढ़ी अपनी जड़ों, भाषा और शास्त्रीय परंपराओं से जुड़े : निर्मला सीतारमण

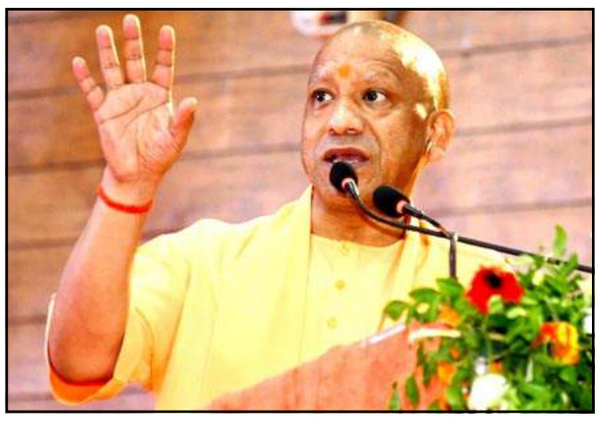
वाराणसी (हिंस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, भाषा और शास्त्रीय परंपराओं की ओर लौटना चाहिए। भारत की विविधता और एकता को बनाए रखने के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझना और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराइयों को समझने तथा देश की गौरवशाली परंपराओं को सहेजने का आह्वान किया। केंद्रीय वित्त मंत्री मंगलवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन सभागार में कर्नाटक संगीत के महान संगीतकार मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने महान संगीतकार के सम्मान में 250 रुपए के स्मारक सिक्के का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी बीएचयू के भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-आईकेएस) की ओर से किया गया। वित्त मंत्री ने बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। निर्मला सीतारमण ने मुत्तुस्वामी दीक्षितर



की संगीत रचनाओं की विशिष्टता, आध्यात्मिकता और विद्वत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी कृतियां केवल संगीत रचनाएं नहीं हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक विरासत का विस्तृत परिचय भी कराती हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से देश के विभिन्न तीर्थस्थलों और मंदिरों की विशेषताओं को स्वर दिया। काशी का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि दीक्षितर ने देवी की स्तुति में काशी विश्वलक्ष्मी का वर्णन किया है। उनकी रचनाओं में मंदिरों के पवित्र वृक्षों (स्थलवृक्ष), आसपास की नदियों, पर्वतों और भौगोलिक विशेषताओं का भी उल्लेख मिलता है। इस लिहाज से उनकी कृतियां किसी स्थान की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विशेषताओं को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वित्त मंत्री ने मुत्तुस्वामी दीक्षितर की रचनाओं की तुलना प्रसिद्ध यात्रा-पुस्तक श्रृंखला *लोनली प्लैनेट* से की। उन्होंने कहा कि आज किसी अनजान स्थान के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए लोग गूगल का सहारा लेते हैं, जबकि पहले यात्री *लोनली प्लैनेट* जैसी पुस्तकों के माध्यम से किसी स्थान के दर्शनीय स्थलों, खानपान और विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि दीक्षितर की रचनाएं भी इसी तरह भारत के विभिन्न स्थानों, मंदिरों और उनकी विशिष्टताओं से परिचित कराती हैं। महान चित्रकारों की तरह वे अपनी प्रत्येक रचना में अपनी विशिष्ट पहचान छोड़ते थे। वे अपनी कृतियों में *गुरुगुह* नाम की मुद्रा का प्रयोग करते थे और राग का नाम भी रचना में समाहित करते थे। संगीत वाद्ययंत्रों की महत्ता पर चर्चा करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रत्येक वाद्ययंत्र की संगीत जगत में अपनी अलग पहचान और विशिष्टता है। वायलिन, बांसुरी, सारंगी और वीणा जैसे वाद्ययंत्र अपनी अलग-अलग ध्वनि और भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते हैं। कुछ वाद्ययंत्रों की धुन सीधे मनुष्य की आत्मा को छूती है। उन्होंने दक्षिण भारतीय कर्नाटक संगीत की वीणा और उत्तर भारतीय हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की सारंगी का विशेष उल्लेख किया। बांसुरी के संदर्भ में भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि इसकी मधुर धुन भी मनुष्य को आध्यात्मिक अनुभूति करा सकती है।

रसोई कनेक्शन के लिए कांग्रेस के राज में देनी पड़ती थी रिश्वत : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.89 करोड़+ पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी का वितरण किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से देश में तेजी से विकास हुआ। विश्व बैंक की हाल की एक रिपोर्ट बताती है कि देश के 155 करोड़ में से 40 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए। आज उत्तर प्रदेश में उज्ज्वला योजना के तहत 1500 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा रही है कि दीपावली का पर्व खुशी से मनाएं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लोकभवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.89 करोड़+ पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी का वितरण समारोह को संबोधित कर



रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने भारत की संस्कृति और पर्वों का विशेष से उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में कांग्रेस की सरकार थी तब गैस कनेक्शन के लिए रिश्वत देनी पडती थी। इतना ही नहीं, टू जी घोटाला, कोयला घोटाला, कामनवेल्थ गेम्स समेत न जाने कितने घोटालों की खबरें आए दिन आती थीं लेकिन जब 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरु कीं। इन्हीं में वर्ष 2016 में उज्जला योजना शुरु की। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावुक होकर बोले थे कि मां- बेटियां की बीमारियों से परेशान हैं, लेकिन नि:शुल्क सिलेंडर कनेक्शन मिलने से उन्हें स्वस्थ रहने व जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

भ्रम और अराजकता फैला रहा है विपक्ष : भारत भूषण जुआल

सिरसा (हिंस)। चेयरमैन एवं भाजपा सिरसा जिला प्रभारी भारत भूषण जुयाल ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के विपक्षी दल देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे भ्रम और अराजकता का जवाब भाजपा कार्यकर्ता अपनी शालीनता, तथ्यों और लोकतांत्रिक तरीके से दें। जुआल मंगलवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। भारत भूषण जुयाल ने कहा कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल जब किसी चुनाव में हार जाते हैं तो ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने लगते हैं, जबकि चुनाव जीतने पर इन्हीं व्यवस्थाओं पर चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम के माध्यम से चुनाव कराने की प्रक्रिया कांग्रेस के शासनकाल में शुरू हुई थी। आज विपक्ष अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ता है, लेकिन जहां उसे जीत मिलती है वहां ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 303 से घटकर 240 रह गईं, लेकिन पार्टी ने जनादेश को स्वीकार किया। यह दर्शाता है कि चुनाव परिणामों को लेकर दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने



एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का समर्थन करते हुए कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यक प्रक्रिया है। इसमें मृत व्यक्तियों के नाम हटाने, पात्र नागरिकों के नाम जोडऩे तथा मतदाता सूची में नाम, फोटो, जन्मतिथि और अन्य त्रुटियों को ठीक करने का काम किया जाता है। भारत भूषण जुयाल ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे निष्पक्ष तरीके से चुनाव करवाने तथा मतदाता सूची को दुरुस्त रखने का अधिकार है। भाजपा सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में विपक्ष के नेता को भी शामिल करने की व्यवस्था की है। ऐसे में संवैधानिक संस्थाओं पर बिना ठोस आधार के आरोप लगाना उचित नहीं है।

जोधपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बोले, मैं किसी का छोड़ता नहीं, ब्याज सहित चुकाता हूं

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में जोधपुर के गांधी मैदान में भारतीय जनता पार्टी का *लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ* अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री के गांधी मैदान पहुंचने पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिला शक्ति, जनप्रतिनिधि और विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, बिलाड़ा विधायक अर्जुनलाल गर्ग, महापौर प्रसन्नचंद मेहता, पूर्व राज्यसभा सांसद राजीव गहलोत, पूर्व सांसद रामनारायण डूडी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मंच पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बीच मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने,



ईवीएम पर सवाल उठाने और परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो ईवीएम सही होती है, लेकिन चुनाव हारने पर ईवीएम को खराब बताने लगती है। लोकतंत्र में विरोध और सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को बिना प्रमाण बदनाम करना लोकतांत्रिक मर्यादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने एक वोट से सरकार गिरने के बाद भी भविष्य में पूरे देश में भाजपा की सरकार बनने की बात कही थी। आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद और सत्ता की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति का आधार जनता का विश्वास और जनसेवा है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी सीधा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जी का उनसे बहुत अच्छा प्रेम है, लेकिन कांग्रेस में उनकी चलती कहां है। उन्होंने कहा कि मैं किसी का छोड़ता नहीं हूं, ब्याज सहित चुकाता हूं। मुख्यमंत्री ने गहलोत पर किसानों के मुद्दे, खाद-बीज की दुकानों और जमीनों के आवंटन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय किसानों के हितों की अनदेखी हुई और परिवार तथा रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने आरपीएससी, पेपर लीक और नकल माफिया के मुद्दे पर भी पिछली कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला कोई भी व्यक्ति हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने का काम शुरू किया है और प्रदेश के युवाओं को चार लाख से अधिक नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आपातकाल का जिक्र करते हुए भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1975 में देश पर आपातकाल थोपा गया, विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया और प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा लगाया गया। जिस कांग्रेस ने लोकतंत्र की आवाज दबाई, वही आज लोकतंत्र की सबसे बड़ी रक्षक बनने का दावा कर रही है। उन्होंने राजस्थान की पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान राजनीतिक अस्थिरता और होटल की राजनीति का भी उल्लेख किया।

पंचायत चुनाव में हर जगह भाजपा के बनेंगे प्रधान और जिला प्रमुख : जोराराम कुमावत

जयपुर (हिंस)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने दावा किया कि पंचायत राज चुनाव में जनता का आशीर्वाद भाजपा को मिल रहा है। चुनाव परिणाम आने पर प्रदेशभर में भाजपा के प्रधान और जिला प्रमुख बनेंगे। कुमावत ने कहा कि पंचायत राज चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं, तीसरा चरण जारी है और इसके बाद चौथा चरण भी होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मिल रहे जनसमर्थन से स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा को मजबूती मिल रही है। हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 204 नगर निकायों में भाजपा को जीत मिली और वहां भाजपा के बोर्ड बने। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले ढाई साल में प्रदेश के विकास के लिए कई काम किए गए हैं। किसान, मजदूर, महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कर समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को आर्थिक संबल देने का प्रयास किया गया है।

रोशनी और राजस्थानी विरासत के रंगों से सजेगी गुलाबी नगरी की दीपावली

जयपुर (हिंस)। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही गुलाबी नगरी में उत्सव की रौनक बढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख बाजारों में सजावट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कहीं रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी लगाई जा रही है तो कहीं आकर्षक स्वागत द्वार और धार्मिक झांकियां तैयार की जा रही हैं। इस बार जयपुर की दीपावली में राजस्थानी संस्कृति, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत का संगम देखने को मिलेगा। बाजारों के साथ प्रमुख मंदिरों में भी विशेष सजावट, दीपदान, पूजा-अर्चना और आरती के आयोजन होंगे। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि चारदीवारी के ऐतिहासिक बाजारों में दीपावली की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। जौहरी बाजार, बापू बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार और चौड़ा रास्ता में आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी। रंग-बिरंगी रोशनी के साथ विशेष सजावटी द्वार बनाए जाएंगे। दुकानों पर मिट्टी के दीपक, सजावटी सामान, रंगोली, आभूषण, कपड़े और उपहारों की नई रेंज सजने लगी है। शाम होते ही बाजारों में रौनक बढ़ रही है और खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही तेज होने लगी है। गणगौरी बाजार में हवा महल और जंतर-मंतर की झलक दिखाने वाली विरासत आधारित सजावट होगी। छोटी चौपड़ पर 42 फीट चौड़ी और 36 फीट ऊंची राम मंदिर की आकर्षक



झांकी तैयार की जाएगी। इसमें रामसेतु निर्माण का दृश्य भी प्रदर्शित होगा, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। परकोटा निवासी पंडित हरि शर्मा के अनुसार दीपावली पर शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में विशेष उत्साह रहेगा। श्री गोविंद देवजी मंदिर को फूलों, दीपों और विद्युत रोशनी से सजाया जाएगा। विशेष पूजा-अर्चना और आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भी विशेष सजावट और दर्शन की व्यवस्था रहेगी। बिरला मंदिर में आकर्षक रोशनी के बीच मां लक्ष्मी और भगवान नारायण के दर्शन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव कराएंगे। ताड़केश्वर महादेव मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजन होंगे। पंडित गौरव शर्मा के अनुसार दीपावली पर शहर में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की धूम रहेगी। मंदिरों में दीपदान, लक्ष्मी पूजन, विशेष आरती और भजन-कीर्तन होंगे। गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट महोत्सव की तैयारियां भी की जाएंगी। देवस्थान विभाग की ओर से प्रदेश के 541 मंदिरों में पांच दिवसीय दीपोत्सव के तहत विशेष सजावट और आरती कार्यक्रमों के लिए स्वीकृति दी गई है। इससे धार्मिक स्थलों पर उत्सव की भव्यता बढ़ेगी। बाजारों में सांस्कृतिक झांकियों और सजावट के माध्यम से राजस्थान की लोक संस्कृति को भी प्रदर्शित किया जाएगा। दीपावली की सजावट से जयपुर के व्यापार और पर्यटन को भी नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। प्रमुख बाजारों में स्थानीय लोगों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। सेंट्रल स्पाइन क्षेत्र में 51 सजावटी स्वागत द्वार बनाने और दीपावली कार्निवल आयोजित करने की योजना है। वहीं, बाजारों में साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण, पार्किंग और अग्निशमन सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। व्यापारियों और प्रशासन की कोशिश है कि दीपावली पर जयपुर आने वाले लोगों को खरीदारी के साथ रोशनी और सांस्कृतिक विरासत का यादगार अनुभव मिले। इस बार गुलाबी नगरी की दीपावली घरों और बाजारों की सजावट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत, लोक संस्कृति और आधुनिक रोशनी का भव्य उत्सव बनेगी।

जयपुर की डॉ. संगीता शर्मा बनीं दिवालिशियस मिसेज इंडिया यूनिवर्स 2026



जयपुर (हिंस)। महिला सशक्तीकरण, नेटवर्किंग और विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिवालिशियस ग्रुप की ओर से गठित *दिवालिशियस वुमेन ऑफ एक्सीलेंस* मंच का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मिसेज यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन से संबद्ध दिवालिशियस मिसेज इंडिया यूनिवर्स प्रतियोगिता 2026 की विजेताओं की क्राउनिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई। इसमें जयपुर की आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. संगीता शर्मा को दिवालिशियस मिसेज इंडिया यूनिवर्स 2026 का विजेता घोषित किया गया। मिसेज यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन के सीईओ नरेश मदान ने बताया कि प्रतियोगिता में तेलंगाना की श्रुति जोईजोड़े को मिसेज इंडिया यूनिवर्स अर्थ 2026, डॉली किरण को मिसेज साउथ इंडिया यूनिवर्स, प्रीति विश्वकर्मा को मिसेज सेंट्रल इंडिया, प्रिया राव को मिसेज इंडिया यूनिवर्स उत्तर प्रदेश, शीतल गांधी को मिसेज इंडिया यूनिवर्स गुजरात, नेहा जैन को मिसेज इंडिया यूनिवर्स राजस्थान और रिंकी शाह को मिसेज इंडिया यूनिवर्स तमिलनाडु का खिताब दिया गया। सभी विजेताओं को ताज और सैश पहनाकर ट्रॉफी व उपहार भेंट किए गए। क्राउनिंग सेरेमनी से पहले प्रतिभागियों ने फैशन डिजाइनर रिया खडोलिया और सान्वी के लेबल *स्टिच बाय सान्वी* की इंडो-वेस्टर्न पोशाकों तथा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन की डिजाइनर तूलिका वर्मा के निर्देशन में तैयार ईवनिंग गाउन में कैटवॉक की।

दीपावली पर पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सौगात

फर्रुखाबाद (हिंस)। जिले के 165786 लाभार्थियों को दीपावली पर नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल किया जायेगा। इसके लिए लाभार्थियों के बैंक खातों में धनराशि आवंटित कर दी गई है। कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में विधायक भोजपुर नागेंद्र सिंह राठौर की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद स्तर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी अनिल यादव ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जनपद में हुई प्रगति एवं योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का शुभारंभ वर्ष 2016 में किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब एवं वंचित परिवारों की महिलाओं को धुएं से मुक्त स्वच्छ ईंधन उपलब्ध



कराना तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को नि:शुल्क घरेलू गैस कनेक्शन के साथ गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, रेगुलेटर एवं पाइप उपलब्ध कराया जाता है, जिससे महिलाओं को पारंपरिक ईंधन से होने वाले धुएं एवं उससे जुड़ी परेशानियों से राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से अब तक जनपद फर्रुखाबाद में कुल 1,65,786 पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इनमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के 96,947, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के 19,813 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के 49,026 लाभार्थी शामिल हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 से उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दीपावली एवं होली जैसे प्रमुख त्योहारों पर दो नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। इसके क्रम में सब्सिडी अंतरण की व्यवस्था प्रारंभ की गई, जिसके माध्यम से गैस सिलेंडर रिफिल की धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के सभी पात्र लाभार्थियों को दो नि:शुल्क सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल वितरण की व्यवस्था दो चरणों में निर्धारित की गई है। प्रथम चरण में अक्तूबर से दिसंबर 2026 तक तथा द्वितीय चरण में जनवरी से मार्च 2027 तक लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल का लाभ प्रदान किया जाएगा। दीपावली पर्व के अवसर पर प्रथम चरण के अंतर्गत एक नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सभी पात्र उज्ज्वला लाभार्थियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जनपद में घरेलू गैस सिलेंडर रिफिल का उपभोक्ता मूल्य 965.00 है। इसमें केंद्र सरकार द्वारा 323.24 की सब्सिडी तथा राज्य सरकार द्वारा 641.76 की सब्सिडी अनुमन्य है।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में निकलेगी लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ रैली

सहरसा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी व एनडीए गठबंधन द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम के तहत रेनबो रिसोर्ट जिला परिषद परिसर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के आगमन की तैयारी पर मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मंत्री डॉ. आलोक रंजन,नगर निगम मेयर बैन प्रिया, भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा, पूर्व विधायक सुरेंद्र यादव, प्रदेश मंत्री दिवाकर सिंह, जिला प्रभारी सुनील कुमार सिंह,जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह, विजय बसंत, जिला महामंत्री भैरवानंद झा, सिद्धार्थ सिंह सिदधु,जिला मिडिया प्रभारी सुमित सिन्हा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह उपस्थित थे। डॉ. आलोक



रंजन प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय जिला अतिथि गृह 10 बजे तक पहुंच जाएंगे। जिला परिषद में सभा को संबोधित करेंगे। सभा के बाद जिला परिषद से 11 बजे पदयात्रा में शामिल होंगें। पदयात्रा डीबी रोड शंकर चौक सब्जी मार्केट होते हुए शहीद चौक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। डा रंजन ने कहा कि विपक्षी दल देश में अराजकता पैदा करने का प्रयास कर रही है लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता इसे कामयाब नहीं होने देगी। भीड़ तंत्र का जवाब पदयात्रा निकाल लोकतंत्रात्मक तरीके से दिया जाएगा। इस पदयात्रा में हजारों कार्यकर्ता पुरे जिले से सभी पंचायत से बुथ अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष एवं सक्रिय कार्यकर्ता भाग लेंगे।



सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 2.31 लाख करोड़ के पार



नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले देश में हुई बंपर खरीदारी और मजबूत आर्थिक गतिविधियों के चलते अक्टूबर 2026 में भारत का ग्रास जीएसटी (जीएसटी) कलेक्शन रिकार्ड 22.9 फीसदी उछलकर 2,31,290 करोड़ रुपये (2.31 लाख करोड़) के ऐतिहासिक आंकड़े पर पहुंच गया है। यह भारतीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन है, इससे पहले साल 2024 में यह 2.10 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा था। पिछले साल अक्टूबर 2025 में देश का जीएसटी कलेक्शन 1,88,125 करोड़ रुपये था। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन में सबसे बड़ा श्रेय आयात से होने वाले राजस्व में भारी उछाल को जाता है, जो 42.2 फीसदी बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये रहा। वहीं घरेलू आर्थिक गतिविधियों और त्योहारों की खरीदारी से होने वाला कलेक्शन 15.8 फीसदी बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह चालू वित्त वर्ष में चौथा महीना है जब सरकार का जीएसटी कलेक्शन दो लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इससे पहले जुलाई में 2.11 लाख करोड़ रुपये और सितंबर में 2.04 लाख करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ था। इस महीने, सरकार ने 27,934 करोड़ रुपये का रिकार्ड टैक्स रिफंड भी जारी किया, जो पिछले साल के मुकाबले 7.5% अधिक है।

नई बेयोन का सीएनजी माडल लाने की तैयारी



नई दिल्ली। कार निर्माता जापानी कंपनी हुंडई अपनी नई बेयोन का सीएनजी माडल लाने की तैयारी कर रही है। हुंडई बेयोन सीएनजी को जनवरी 2027 में भारतीय बाजार में लान्च किया जाएगा। इस माडल में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी तकनीक मिलेगी। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका अंडरबाडी सीएनजी टैंक हो सकता है, जिससे सीएनजी सिलेंडर होने के बावजूद कार का बूट स्पेस (सामान रखने की जगह) प्रभावित नहीं होगा। हुंडई बेयोन सीएनजी में 1.5 लीटर, चार-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिए जाने की संभावना है। पेट्रोल मोड में यह इंजन 115 हार्सपावर की ताकत और 144 न्यूटन मीटर का टार्क जनरेट करता है, हालांकि सीएनजी मोड में इसके पावर आउटपुट में थोड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। कार में छह-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स मिलने की पूरी उम्मीद है। सीएनजी गाड़ियों में सामान रखने की जगह कम होना एक बड़ी समस्या रही है, लेकिन बेयोन में सीएनजी टैंक को कार के निचले हिस्से में लगाकर बूट स्पेस को सुरक्षित रखा जाएगा। कीमत के मोर्चे पर अनुमान लगाया जा रहा है कि हुंडई बेयोन का सीएनजी वेरिएंट अपने संबंधित पेट्रोल माडल की तुलना में लगभग 80 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक महंगा हो सकता है।

होंडा एक्टिवा के बिके 14.82 लाख से ज्यादा स्कूटर



नई दिल्ली। चालू वित्तीय वर्ष 2027 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2026) के दौरान देश में टाप-30 स्कूटरों की कुल बिक्री लगभग 49 लाख यूनिट्स के करीब पहुंच गई है। भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में स्कूटरों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इस बिक्री में सबसे खास बात यह रही कि देश में सबसे ज्यादा बिकने वाले टाप-11 स्कूटर माडलों में चार इलेक्ट्रिक स्कूटरों ने भी अपनी जगह बनाई है। हालांकि, बाजार के कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो आज भी पारंपरिक ईंधन (इंजन) वाले माडलों का ही दबदबा पूरी तरह कायम है। बिक्री की इस दौड़ में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखते हुए बाजी मारी है। वित्तीय वर्ष 2027 के पहले छह महीनों में होंडा एक्टिवा की कुल 14,82,917 यूनिट्स बिकी हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि में बिके 12,88,165 यूनिट्स के मुकाबले काफी अधिक है। दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर रहा, जिसकी इस छमाही में 8,29,725 यूनिट्स बिकीं। तीसरे स्थान पर कब्जा जमाते हुए सुजुकी एक्सेस ने 4,33,180 यूनिट्स की कुल बिक्री दर्ज की।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी मामूली कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में अच्छी बढ़त दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं।



सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि मध्य एशिया में शांति समझौते की उम्मीद के बीच अमेरिका द्वारा ईरान के एक द्वीप पर हमला करने के कारण बने डर के माहौल की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गए। इसके अलावा, अमेरिकी निवेशक होने वाले अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन के परिणामों के इंतजार में भी सतर्क बने हुए हैं। मध्य एशिया के तनाव और अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन को लेकर बनी सतर्कता के कारण ही पिछल सत्र के दौरान अमेरिका के दो प्रमुख सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,541.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं टेक कंपनियों से जुड़ा नैस्डैक कंपोजिट ने भी 272.68 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,164.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,983.98 अंकों पर पहुंचने में कामयाब हो गया। दूसरी ओर, सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल 172.94 अंक यानी 0.33 प्रतिशत टूट कर 51,810.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

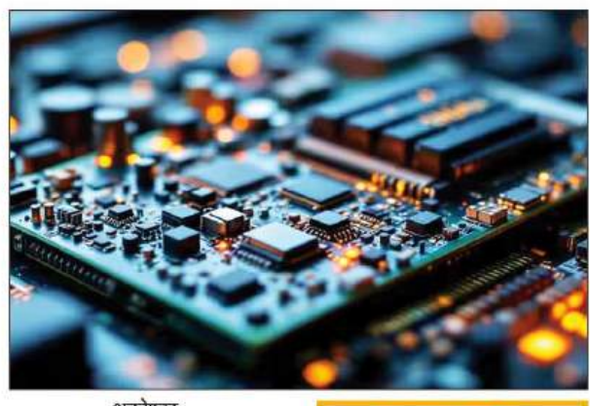
अमेरिकी बाजार के बीते सत्र की सुस्ती के बीच यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान अच्छी मजबूती नजर आई। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 162.88 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,981.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 78.27 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 8,047.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स भी 31.55 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती दर्ज करते हुए 10,761.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में सुबह मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से तीन सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि छह सूचकांक बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं। फिलहाल यह सूचकांक 160 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 23,562.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

हान्गकान्ग के शेयर बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है, जहां हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 77.68 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,471 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी मामूली बढ़त के साथ काम करता नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 13.26 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,278.32 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स कमजोरी के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 208.25 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,081.86 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भारी मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 202.18 अंक यानी 3.45 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 5,656.90 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान स्टाक एक्सचेंज में भी जबरदस्त कमजोरी का माहौल बना हुआ है। यहां लगातार हो रही मुनाफावसूली के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स 914.93 अंक यानी 2.04 प्रतिशत फिसल कर 44,005.21 अंक के स्तर पर आ गया है।

इंडोनेशिया स्टाक एक्सचेंज में भी बिकवाल हावी नजर आ रहे हैं, जिसके कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 87.73 अंक यानी 1.72 प्रतिशत की मंदी के साथ 5,009.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी लाल निशान में फिसल गया है। फिलहाल यह सूचकांक 25.94 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,612.09 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी सुस्ती नजर आ रही है। अभी यह सूचकांक 5.71 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,501.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ओडिशा सेमीकंडक्टर हब की ओर, 4 अरब डालर से अधिक का निवेश



भुवनेश्वर

खनन आधारित अर्थव्यवस्था से दिमाग-आधारित युग की ओर राज्य का बड़ा कदम

ओडिशा वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कमर कस रहा है। राज्य ने 4 अरब डालर से अधिक के निवेश के साथ पांच प्रमुख चिप निर्माण परियोजनाओं की योजना बनाई है, जो पारंपरिक खनन-आधारित अर्थव्यवस्था से एक महत्वपूर्ण औद्योगिक बदलाव का संकेत है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का उद्देश्य वैश्विक चिप निर्माण और उन्नत इलेक्ट्रानिक्स मूल्य श्रृंखला में ओडिशा की एक मजबूत पहचान बनाना है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश भर में स्वीकृत 12 परियोजनाओं में से दो ओडिशा में स्थापित की जा रही हैं। इनमें भारत की पहली कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट और पहली उन्नत 3डी चिप पैकेजिंग यूनिट शामिल हैं, जिनका शिलान्यास मंजूरी के 6-8 महीने के भीतर ही हो गया था। यह त्वरित कार्यप्रणाली राज्य की प्रतिबद्धता दर्शाती है। राज्य अब खदान-आधारित अर्थव्यवस्था से दिमाग-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जहां सेमीकंडक्टर, एआई डेटा सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे बौद्धिक कार्यों के बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर है। इंटेल और 3डी ग्लास साल्यूशंस जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग कर ओडिशा वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अग्रणी बनना चाहता है। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा अपनी एआई नीति तैयार करने और एआई मिशन की घोषणा करने वाला पहला राज्य है, जो कंप्यूटिंग के भविष्य में इसकी अग्रणी भूमिका को रेखांकित करता है। राज्य के इलेक्ट्रानिक्स और आईटी मंत्री ने ओडिशा की प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों, पर्याप्त बिजली, भूमि, पानी और प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों को प्रमुख निवेश केंद्र बनने की विशेषताओं के रूप में रेखांकित किया। हालांकि, उद्योग जगत ने निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए विनिर्माण मानकों, कुशल लाजिस्टिक्स, वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदारी, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और लागत प्रतिस्पर्धा क्षमता पर भी जोर दिया, ताकि नीतिगत समर्थन को पूर्ण रूप से साकार किया जा सके।

अक्टूबर में एलपीजी की मांग कमजोर, पेट्रोल-डीजल की खपत में उछाल



नई दिल्ली। देश में पिछले महीने अक्टूबर के महीने में ऊर्जा खपत का एक विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। जहां एक ओर एलपीजी सिलेंडर की खपत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में एलपीजी की खपत सालाना आधार पर 12.11 प्रतिशत घटकर 2.64 मिलियन टन रह गई। इस गिरावट के पीछे मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को एक बड़ा कारण माना जा रहा है, जिसने एलपीजी की आपूर्ति को प्रभावित किया और देश में इसके दाम कई बार बढ़े। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा एलपीजी दूसरे देशों से आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति में बाधा का सीधा असर घरेलू खपत पर पड़ा. सरकार भी एलपीजी सिलेंडर की जगह पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) को बढ़ावा दे रही है, जिससे एलपीजी की खपत में कमी आई है। इसके विपरीत, पेट्रोल और डीजल की मांग में इजाफा हुआ है. अक्टूबर के महीने में पेट्रोल की खपत पिछले साल के मुकाबले 3.11 प्रतिशत बढ़कर 3.77 मिलियन टन हो गई।

भागीदारी का विरोधाभास: महिलाएं काम तो कर रही हैं, पर सुरक्षित नहीं

ग्रामीण कृषि क्षेत्र में केंद्रित रही वृद्धि, घर का बोझ बरकरार

नई दिल्ली

भारत में महिला कर्मचारियों की संख्या पिछले सात वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है, लेकिन यह वृद्धि एक विरोधाभास लिए हुए है। इंडियन काउंसिल फार रिसर्च आन इंटरनैशनल इकनामिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक नए अध्ययन द पार्टिसिपेशन पैराडाक्स के अनुसार, इस दौरान महिलाओं की नौकरियां कम सुरक्षित, कम वेतन वाली और काम के कम घंटों वाली हो गई हैं। यह अध्ययन बताता है कि महिलाएं अब ज्यादा वेतन वाला काम कर रही हैं, लेकिन घर के अवैतनिक काम का बोझ कम नहीं हुआ है, जिससे उनके आराम और आत्म-देखभाल के समय में भारी कटौती हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए अध्ययन में बताया गया है कि कामकाजी महिलाओं की संख्या 2017-18 के 10.4 करोड़ से बढ़कर 2025 तक 20.1 करोड़ हो गई है, जो लगभग दोगुनी है। हालांकि, यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में केंद्रित रही है और लगभग पूरी तरह से कृषि क्षेत्र में रोजगार मिला है।

पुरुषों के मामले में जहां ढांचागत बदलाव देखे जा रहे हैं, वहीं महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है। अध्ययन के मुताबिक कार्यबल में शामिल होने वाली अधिकांश अतिरिक्त महिलाओं ने स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक श्रम के माध्यम से प्रवेश किया है, जो सबसे असुरक्षित और सबसे कम वेतन वाली श्रेणियां हैं। ग्रामीण महिलाओं में नियमित वेतन वाली नौकरियों का हिस्सा वास्तव में कम हुआ है। शहरी क्षेत्रों में सेवा-आधारित आर्थिक वृद्धि के बावजूद, यह कहना कठिन है कि महिलाओं को अवसरों में सुधार के कारण रोजगार मिला है।



शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कामगारों की अनिवार्य जरूरतों के कारण काम मिला है, चाहे वह कृषि हो या परिवार द्वारा चलाए जा रहे उद्यम हों। काम के घंटों के आंकड़ों से भी यही बात पुष्ट होती है। ग्रामीण महिलाओं के काम के साप्ताहिक घंटे में 6 घंटे से अधिक की गिरावट आई है, जो किसी भी समूह में सबसे बड़ी गिरावट है। अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया है कि प्रति कर्मचारी घटते घंटों के साथ बढ़ती भागीदारी का अर्थ है कि कर्मचारियों की संख्या उन क्षेत्रों में बढ़ी है जहां कम कुशलता वाले काम होते हैं। कृषि कार्य से लोगों को बाहर निकालने में विनिर्माण क्षेत्र महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन वहां भी महिलाओं की प्रमुख भूमिका नहीं है।

टाटा सफारी ईवी का वर्जन लान्च करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने जा रही है। टाटा मोटर्स जनवरी 2027 तक अपनी फ्लैगशिप एसयूवी सफारी का इलेक्ट्रिक वर्जन यानी टाटा सफारी ईवी लान्च कर सकती है। भारतीय बाजार में उतरने के बाद इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का सीधा मुकाबला महिंद्रा एक्सईवी 9एस और हाल ही में पेश की गई एमजी हेक्टर टामहाक ईवी से होगा। यह कार टाटा के इलेक्ट्रिक सेगमेंट का नया फ्लैगशिप माडल बनेगी। सफारी ईवी को टाटा के अत्याधुनिक अक्टी डाट ईवी प्लस प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा, जिस पर हैरियर ईवी भी आधारित है।

हालांकि कंपनी ने आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स की घोषणा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें 65 किलोवाट-घंटे और 75 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक के साथ एक बड़ा 80 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक भी दिया जा सकता है। यह बड़ा बैटरी पैक टाटा की किसी भी इलेक्ट्रिक कार में मिलने वाली सबसे लंबी रेंज प्रदान करेगा, जिससे यह एसयूवी लंबी दूरी और एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा के लिए बेहद उपयुक्त बन जाएगी। आरडब्ल्यूडी माडल का सिंगल मोटर सेटअप 238 पीएस की पावर और 315 एनएम का टार्क दे सकता है, जबकि एडब्ल्यूडी माडल का डुअल मोटर सेटअप 504 एनएम का भारी टार्क जनरेट करेगा।



मुकाबला करें तो महिंद्रा एक्सईवी 9एस में 79 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक मिलता है, जबकि एमजी हेक्टर टामहाक ईवी में 69.2 किलोवाट-घंटे की बैटरी दी गई है जो 517 किमी तक की रेंज देती है।

डिजाइन के मामले में सफारी ईवी में बंद ग्रिल, एयरो-आप्टिमाइज्ड अलाय व्हील्स, नई लाइटिंग और स्पेशल ईवी बैजिंग देखने को मिलेगी। इसके केबिन में ट्रिपल स्क्रीन लेआउट, वेंटिलेटेड सीटें, पैनोरमिक सनरूफ, 540-डिग्री सराउंड व्यू कैमरा, वायरलेस चार्जिंग और लेवल 2 अडास सुरक्षा सुइट जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।

बजट-फ्रेंडली और उच्च सुरक्षा मानकों वाली कई एसयूवी बाजार में पेश

नई दिल्ली। कार खरीददारों के लिए टाटा, महिंद्रा और किया जैसी प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों ने बजट-फ्रेंडली और उच्च सुरक्षा मानकों वाले कई शानदार विकल्प बाजार में उतारे हैं। टाटा नेक्सन इस सेगमेंट में एक बेहद लोकप्रिय विकल्प है, जिसके पैनोरमिक सनरूफ वाले वेरिएंट की शुरुआती कीमत 9.72 लाख रुपये है। मरकुलर डिजाइन वाली इस एसयूवी में डुअल-टोन केबिन, वेंटिलेटेड सीट्स, 10.25-इंच टचस्क्रीन, 360-डिग्री कैमरा और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। यह 1.2 लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन विकल्पों के साथ 17 से 24 किमी/लीटर का माइलेज देती है। वहीं, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ के सनरूफ वेरिएंट की कीमत 9.89 लाख रुपये से शुरू होती है। इसमें सी-शेप्ड एलईडी डीआरएल, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, लेवल-2 एडास और सेगमेंट-फर्स्ट स्काईरूफ जैसे फीचर्स शामिल हैं, जो लगभग 18 से 21 किमी/लीटर की फ्यूल एफिशिएंसी प्रदान करते हैं।



टेस्ट क्रिकेट में भी बने है चौके और छक्कों के रिकार्ड

मुम्बई

आम तौर पर धारणा है कि टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज बड़े शाट नहीं लगाते पर ये पूरी तरह सच नहीं है। टेस्ट में बल्लेबाज संभलकर खेलते हैं पर एक बार जम जाने पर वे भी बड़े शाट खेलने से पीछे नहीं हटते। पिछले कुछ साल में टी20 से प्रभावित होकर टेस्ट में भी बल्लेबाजी भी काफी आक्रामक हुई है।

इसी का परिणाम है कि सात साल पहले एक ऐसे ही मैच में दोनो टीमों के बल्लेबाजों ने इतने चौके और छक्के लगाये कि एक नया रिकार्ड बन गया। साल 2019 मे हुए एक टेस्ट मैच में दोनों टीमों द्वारा मिलकर लगाए गए सर्वाधिक छक्कों का ये विश्व रिकार्ड अब भी कायम है और किसी भी टीम के लिए इसे तोड़ना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है।

यह असाधारण कीर्तिमान 2 अक्टूबर 2019 को विशाखापत्तनम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में बना। इस मुकाबले में, बल्लेबाज़ों ने लंबो छक्कों से रनों की झड़ी लगा दी। दोनों टीमों के संयुक्त प्रयासों से कुल 37 छक्के और 171 चौके लगे, जिसने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज़ रोहित शर्मा ने ने दोहरा शतक लगाया। इसके अलावा मयंक अग्रवाल ने भी शतक लगाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। इन्हीं पारियों के बल पर भारत ने इस मैच में शानदार जीत दर्ज की थी।

इस रिकार्ड से पहले, सर्वाधिक छक्कों का विश्व कीर्तिमान न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के नाम था। 26 नवंबर 2014 को शारजाह में खेले गए उस रोमांचक मुकाबले में कुल 35 छक्के और 144 चौके लगाए गए थे, जिसमें न्यूज़ीलैंड ने जीत हासिल की थी। छक्कों की बारिश के मामले में तीसरे स्थान पर 15 फरवरी 2024 को राजकोट में भारत और इंग्लैंड के बीच संपन्न हुआ टेस्ट मैच रहा जहां कुल 33 छक्के और 140 चौके लगे और भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की। चौथे स्थान पर 2 जुलाई 2022 को बर्मिंघम में इंग्लैंड और भारत के बीच खेला गया मुकाबला है, जिसमें 30 छक्के लगे थे।वहीं, पांचवें स्थान पर 24 अप्रैल 2023 को गाल में श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेला गया टेस्ट मैच आता है, जिसमें 28 छक्के और 147 चौके जड़े गए थे। यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं, बल्कि आधुनिक टेस्ट क्रिकेट के बदलते स्वरूप और बल्लेबाज़ों की निडर मानसिकता का जीवंत प्रमाण हैं। ये मैच साबित करते हैं कि जब प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ पूरे आत्मविश्वास और आक्रामक मूड में हों, तो लाल गेंद से भी सीमा रेखा पार कराने वाले शाट मारकर खेल को एक नए, रोमांचक आयाम तक पहुंचा सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट अब केवल धैर्य का खेल नहीं रहा, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन गया है जहां बल्लेबाज़ अपनी रचनात्मकता और शक्ति का प्रदर्शन करके प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन प्रदान कर रहे हैं, और छक्कों के ये अटूट रिकार्ड इसी बदलती प्रवृत्ति की गवाही देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के पूर्व मिडफील्डर ने बताया मैनचेस्टर यूनाइटेड के खराब प्रदर्शन का कारण

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल की विजेता रही चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए वर्तमान दौर बेहद



खराब रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम लीग तालिका में 16वें स्थान पर फिसल गयी है। इसी को देखते हुए, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डिफेंडर जेमी कैरागर ने कहा है कि क्लब को उसकी गलत ट्रांसफर नीति के कारण नुकसान हुआ है। सत्र की शुरुआत से ही यूनाइटेड के परिणाम अच्छे नहीं रहे हैं। इसी कारण लीगा अंक तालिका मे काफी पीछे है। इस खराब फार्म के बीच, कैरागर ने कहा कि टीम को समर ट्रांसफर विंडो में तीन खिलाड़ियों की जगह पर केवल दो ही खिलाड़ियों को साइन करना चाहिए था और उनमें से एक पुर्तगाली डिफेंडर मातियस फर्नांडीस होना चाहिये था। साथ ही कहा कि यूनाइटेड ने समर विंडो में मिडफील्ड को मजबूत करने के लिए कार्लोस बालेपा, यूरी टीलेमान्स और आंद्रे सैंटोस जैसे तीन खिलाड़ियों पर करीब मोटी रकम खर्च कर दी पर ये असफल रहे। उनका कहना है कि मातियस के लिए सत्र सीजन की शुरुआत भले ही अच्छी न की हो, लेकिन पिछले सीजन में मैंने उसे वेस्ट हैम यूनाइटेड के लिए खेलते देखा था, और मुझे लगा कि वह वाकई एक शानदार खिलाड़ी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे समझ नहीं आया कि मैनेजर उसे नंबर 10 की भूमिका में क्यों नहीं खिला रहे थे।साथ ही कहा कि ये खिलाड़ी युवा है और उसके पास सुधार करने के लिए काफी समय है। पिछले सत्र में वेस्ट हैम के लिए उसने बेहतरीन खेल दिखाया था, और यह पहली बार था जब मैंने उसे टोटेनहम की जर्सी में शानदार प्रदर्शन करते देखा। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है।

लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ा

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ता दिख रहा है। टेस्ट



डेब्यू के बाद से ही शानदार शुरुआत करने वाले लाबुशेन का बल्ला पिछले कुछ साल से शांत है जिससे कारण वह लगातार असफल हो रहे हैं। ऐसे में टीम में उनकी जगह पर भी सवाल उठने लगे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये। यहां तक कि अंतिम टेस्ट में जब टीम को उनकी जरुरत थी तब भी उन्होंने निराश किया। केपटाउन में खेले गए इस तीसरे टेस्ट में वह केवल 4 रन ही बना पाये। ऐसे में तय है कि अब चयनसमिति उन्हें शायद ही आगे अवसर दे। केपटाउन टेस्ट में आस्ट्रेलिया को करारी हार झेलनी पड़ी और इसके साथ ही टीम तीन मैचों की सीरीज 2-1 से हार गयी। इस मैच में आस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी बिखर गयी। लाबुशेन का प्रदर्शन विशेष रूप से चिंताजनक रहा। पूरी सीरीज में, लाबुशेन 6 पारियों में केवल 131 रन ही बना सके, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 39 रन रहा। ऐसे में उनकी लगातार खराब फार्म ने टीम प्रबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लाबुशेन ने अपने करियर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी। शुरुआती 74 पारियों में उन्होंने 11 शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाई थीं।

प्रेमा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड



नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रेमा ने हैदराबाद के खिलाफ केवल 14 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गयीं। प्रेमा ने ये रन भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्राफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए बनाये। वहीं अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था। सना ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हालांकि महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड अभी भी सना के नाम ही है क्योंकि प्रेमा ने जो रिकार्ड बनाया है। वह घरेलू क्रिकेट का है। प्रेमा ने पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने अपनी 14 गेंदों की पारी में 6 शानदार चौके और 4 छक्के लगाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 357 का रहा। प्रेमा की इस आक्रामक पारी से उत्तराखंड ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 187 रन बनाये। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 98 रन ही बना सकी और इस तरह प्रेमा की पारी से उत्तराखंड ने 89 रनों से मुकाबला जीत लिया। मैच जीत लिया। प्रेमा के अलावा, उत्तराखंड की ओर से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन जबकि करीना ने 44 रन और नीलम भारद्वाज ने 19 रन बनाये।

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा

क्राइस्टचर्च

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच यहां हुआ दूसरा आनौपचारिक टेस्ट ड्रा रहा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया विशेषकर यशस्वी जायसवाल ने 155 रनों की नाबाद पारी खेली। अंतिम दिन न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 282 रन बनाये। इस मैच में यशस्वी ने अपना फार्म हासिल किया। वह पहले अभ्यास मैच में सिर्फ 17 और 5 रन बना पाये थे। यशस्वी ने इस मैच की दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 162 गेंदों पर 15 चौकों और पांच शानदार छक्कों की सहायता से नाबाद 155 रन बनाए।

यशस्वी के अलावा, कप्तान ध्रुव जुरेल ने पहली पारी में 105 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और बल्लेबाजी कौशल दोनों को दर्शाती है। वहीं, दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज यश राठौड़ ने भी नाबाद 100 रन बनाये। शतक दर्ज कराया। पहली पारी में 80 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल हालांकि दूसरी पारी में खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि साई सुदर्शन ने 11 रन का योगदान दिया। भारत ए ने अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने मैथ्यू बायल (110 रन) और डीन फाक्सक्राफ्ट (93 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 424 रन बनाकर बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारत ए ने अपनी दूसरी पारी 282 रन पर 2 विकेट के स्कोर के साथ समाप्त की।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी इस मुकाबले में लय हासिल की। मुकेश कुमार ने 29 ओवरों में 87 रन देकर पांच अहम विकेट झटके, तो मोहम्मद सिराज ने 35 ओवरों में 118 रन देकर चार बल्लेबाजों को आउट किया।

इस बीच, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे में टेस्ट सीरीज से पहले ऋषभ पंत की फिटनेस को लेकर एक झटका लगा है। खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे पंत अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुए फिटनेस टेस्ट में असफल रहने के बाद, उन्हें अगले 48 घंटे के भीतर एक और मौका मिलेगा।



भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कानवे



आकलैंड (न्यूजीलैंड)। भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कानवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच आकलैंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कानवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कानवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पहले से ही मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र की चोटों से परेशान है। ऐसे में पहले वनडे से ठीक पहले कानवे का बाहर होना टीम के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

यदि वह फिट घोषित होते हैं, तो वह 7 नवंबर से लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो उनकी वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अच्छी खबर यह है कि जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। उनके भी इंडिया ए के लिए तीसरे चार-दिवसीय मैच में खेलने की उम्मीद है, जिससे वह मुख्य टेस्ट सीरीज से पहले मैच फिटनेस और लय हासिल कर सकें।

आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा



नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के दिग्गज आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय करियर 14 साल तक चला। उन्होंने आखिरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा लिया था।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पाडकास्ट पर कहा कि यह फैसला थोड़ा दुखद है लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर रहा हूं।

उन्होंने चयनकर्ताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार चर्चा हुई थी। यह बातचीत काफी खुली और स्पष्ट थी।

अपने करियर को लेकर मैक्सवेल ने कहा कि मैं शुक्रगुजार हूँ कि मुझे अपने देश के लिए खेलने का मौका मिला। अगर 2009 के आसपास जब मैंने पहली बार विक्टोरिया के ड्रेसिंग रूम में कदम रखा था, तब किसी ने मुझे ऐसा करियर देने की बात कही होती, तो मैं खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेता।

ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के साथ ही आस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक यादगार अध्याय समाप्त हो गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और उपयोगी गेंदबाजी के दम पर उन्होंने दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई।

मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में आस्ट्रेलिया का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 7 टेस्ट मुकाबले खेले। इस दौरान वह आस्ट्रेलिया की दो वनडे विश्व कप (2015 और 2023) तथा एक टी20 विश्व कप (2021) जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

सफेद गेंद के क्रिकेट में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर मैक्सवेल ने कई मौकों पर आस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। खास तौर पर 2023 वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक दोहरा शतकीय पारी क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में शामिल है। उस मुकाबले में उन्होंने चोट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद नाबाद दोहरा शतक लगाकर आस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी।

मैक्सवेल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 149 मैचों में 3990 रन बनाए।

हाइलो ओपन-2026 का खिताब जीतकर पीवी सिंधु विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर



नई दिल्ली। जर्मनी में हाल ही में हुए हाइलो ओपन-2026 में खिताब जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अपनी विश्व रैंकिंग में और सुधार करके छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। महिला सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराकर इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने इस साल जापान ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। इस सुपर 500 खिताब से उन्हें 9,200 अंक मिले, जिससे बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के ताजा अपडेट में वह दो स्थान ऊपर आ गईं। एक हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन के बाद सिंधु टाप-10 में शामिल हुई थीं (तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंची थीं), जहां फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अक्टूबर, 2022 में टाप-5 में थीं, जब वह कुछ समय के लिए विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी बनी थीं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बदली-बदली नजर आयेगी भारतीय टीम, दो अलग-अलग कप्तान रहेंगे

वैलिंगटन



भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन मैचों में टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे।

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में भी बदलाव नजर आयेगा। अभी तक भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रही थी। उनकी टीम में शामिल 9 खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में नहीं होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ये खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती। वहीं शुभमन की कप्तानी वाली इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज को भी शामिल किया गया है। पांच मैचों के लिए बीसीसीआई दो कप्तान रखें हैं। इसके अलावा अंतिम दो मैचों के लिए टीम में भी बदलाव किया गया है।

पहले एकदिवसीय के लिए एक अलग टीम है। वहीं सरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए अलग टीम है। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए एक और अलग टीम है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव शामिल हैं। दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, ईशान किशन, कुमार कुशाग्र, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।

लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए भारतीय हाकी टीम में बदलाव होंगे : कोच फुल्टन

मोहाली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि साल 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए टीम में कई बदलाव किये जाने हैं। इसी के तहत ही फरवरी में होने वाले प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए एक बिल्कुल नई टीम का चयन किया जाएगा। इस लीग में भारत को जर्मनी, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की टीमें शामिल रहेंगी।



फुल्टन ने कहा, हम फरवरी में प्रो लीग के लिए एक नई टीम का चयन करेंगे। हमारे पास अभ्यास के लिए बहुत कम समय होगा क्योंकि खिलाड़ी अपनी अपनी फ्रेंचाइजी में वापस चले जाएंगे। उन्होंने साथही कहा कि प्रो लीग में खेलने वाली यही नई टीम 2027-28 के ओलंपिक चक्र की शुरुआत करेगी, जो सीधे लास एंजिलिस ओलंपिक की तैयारियों से जुड़ा है। यह रणनीति टीम को लंबे समय के लिए तैयार करने और युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव प्रदान करने के लिए अपनाई जा रही है।

साथ ही कहा कि इस बड़े बदलाव की शुरुआत न्यूजीलैंड दौरे से हो सकती है, जहाँ भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) के समाप्त होने के बाद इस महीने एक विशेष अंतरराष्ट्रीय टेस्ट सीरीज खेलेगी।

यह दौरा भारत के 1926 में हुए पहले ऐतिहासिक हाकी दौरे के 100 साल पूरे होने की याद में रखा गया है। इसके तहत की आकलैंड में 19, 21 और 22 नवंबर को तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। फुल्टन ने यह भी साफ किया कि न्यूजीलैंड जाने वाली टीम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम बदलाव के दौर से गुजरती है और भारतीय टीम ने पहले भी ऐसे बदलाव किए हैं।

कोच ने बताया, हमने तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी खेली है और तीनों बार हमारी टीम बदली हुई थी। चेन्नई (2023) में खेलने वाली टीम हुलुनबुइर (2024) में खेलने वाली टीम से अलग थी। पिछली टीम के बाद से हमने नौ खिलाड़ियों को बदला है। अब यह टीम भी अलग होगी। यह दिखाता है कि टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को आज़मा रहा है और सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है।

गौरतलब है कि इस साल के विश्व कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहाँ टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालाँकि टीम ने एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखा और 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया, जो टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। फुल्टन ने विश्व कप के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, विश्व कप के बड़े मैचों में जब हमें गोल करने की जरूरत थी, तब हम गोल नहीं कर पाए और हमने कुछ आसान गोल भी खा लिए। इसलिए हमारी रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति दोनों में सुधार की जरूरत है उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एशियाई टीमों के खिलाफ गोल करने और बचाव करने में टीम अच्छी है पर उसे ओलंपिक में जीतने के लिए यूरोपीय और उच्च रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ प्रदर्शन में सुधार की जरुरत है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार



ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...



महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिलके से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...



क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

छोटी सी लाइन का जादू...

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।



आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक



सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर



महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलई आईलाइनर



आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉर्डन दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर



ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर



व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट



अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।

स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर



1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...



महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कट्स वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती हैं।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहने। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।



नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने मे मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योंकि पानी की ज्यादा मात्रा हमें ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम



जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते हैं। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान मे मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

जानें नियमित सैर के क्या हैं फायदे

डिप्रेशन

शोध के अनुसार जो लोग हर सप्ताह 6-9 मील चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने की डिमेंशिया जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

डायबिटिज

डायबिटिज में आहार पर नियंत्रण करने से काफी राहत मिलती है। यदि इसके साथ-साथ हर दिन 30 मिनट पैदल चलना शुरू किया जाए, तो टाइप-2 डायबिटिज के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग

हर दिन 30 मिनट की सैर हृदय रोग के खतरे को भी कम करती है। साथ ही इससे तनाव, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है।

दर्द में राहत

हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे दर्द में राहत मिलती है। शरीर की कार्यप्रणाली दुरुस्त होती है और गतिशीलता आती है।

कैंसर

प्रति सप्ताह पैदल चलना ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ितों में मोर्टेलिटी (मृत्यु दर) के खतरे को 50 प्रतिशत कम करता है।

प्रति सप्ताह पैदल चलने वाले प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में मोर्टेलिटी की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है।

तनाव से राहत

सुबह या शाम की सैर एंडोरफिंस नामक न्यूरोपेप्टाइड्स को सक्रिय करती है। इससे शरीर को आराम मिलता है, बेचैनी और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षणों में भी सुधार होता है।



प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**